॥ जय महावीर ॥

॥ जय गुरु नाना ॥ ॥ जय गुरु राम ॥

राम चमकते भानु समाना

शिखर महोत्सव

# श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)

## :: वार्षिक प्रतिवेदन ::
## 2023-24

**एक दायित्व - एक प्रयास**

**दिनांक** - 15 **अक्टूबर** 2023 **से** 03 **अक्टूबर** 2024 **तक**

केन्द्रीय कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड जैन पी.जी. कॉलेज के सामने, गंगाशहर, बीकानेर-334401(राज.)
फोन: 0151-2270261-62, 2270359
वेबसाइट : www.sabsjms.org, ई-मेल : ms@sadhumargi.com

# नमस्कार महामंत्र

**नमो अरिहंताणं**

**नमो सिद्धाणं**

**नमो आयरियाणं**

**नमो उवज्झायाणं**

**नमो लोए सव्वसाहूणं**

**एसो पंचणमोक्कारो, सव्वपावप्पणासणो।**

**मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं॥**

# अनुक्रमणिका


| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | जिन शासन की गाथा | 4 |
| 2. | आचार्य श्री रामलालजी म.सा. परिचय | 5 |
| 3. | श्री अ.भा.सा. जैन संघ परिचय | 6 |
| 4. | महिला समिति – उद्भव एवं परिचय | 6 |
| 5. | राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्बोधन | 7–8 |
| 6. | महत्तम महोत्सव (महत्तम शिखर वर्ष) | 8 |
| 7. | राष्ट्रीय महामंत्री उद्बोधन | 9 |
| 8. | राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा उद्बोधन | 10 |
| 9. | Income and Expenditure | 10 |
| 10. | संगठन | 11–15 |
| 11. | केसरिया कार्यशाला | 16–18 |
| 12. | युवती शक्ति | 19–21 |
| 13. | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | 22–23 |
| 14. | परिवारांजलि | 24 |
| 15. | समता छात्रवृत्ति | 25 |
| 16. | सर्वधर्मी सहयोग | 25 |
| 17. | श्रमणोपासक में प्रकाशन (प्रवृत्तियाँ) एवं अक्षय तृतीया | 26 |
| 18. | प्रतिक्रमण | 27 |
| 19. | अन्य गतिविधियाँ | 28–30 |
| 20. | कार्यसमिति बैठक एवं प्रवास विवरण | 31–33 |
| 21. | स्वर्ण कुंभ | 34 |
| 22. | जूम मीटिंग विवरण | 35 |
| 23. | पदाधिकारी – 23–25 | 36–41 |
| 24. | श्रेष्ठ प्रोत्साहन पुरस्कार (23–24) | 42 |

# जिन शासन की गाथा

साधुमार्गी परम्परा अनादिकाल से भारत भूमि पर धर्म एवं संस्कृति की मानव कल्याणकारी धाराओं में समाहित एवं प्रवाहित है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव साधुमार्गी परम्परा के आदि गुरु माने जाते हैं उसी परम्परा को श्रमण भगवान महावीर ने समुन्नत किया। मानव उत्थान व कल्याण के नये–नये आयाम सृजित होते रहे और साधुमार्गी परम्परा का विकास होता रहा।

इस परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने हेतु श्री हुक्मीचंदजी म.सा. प्रथम आचार्य के रूप में विराजमान हुए, विद्वत् शिरोमणि द्वितीय आचार्य श्री शिवलालजी म.सा., तृतीय आचार्य श्री उदयसागरजी म.सा. ने भोग से योग की ओर प्रस्थान किया और पंचमहाव्रत अंगीकार कर संयम धारण किया। चतुर्थ आचार्य श्री चौथमल जी म.सा. कठोर क्रियाधारी के रूप में ख्यातिलब्ध थे। पंचमाचार्य श्री श्रीलालजी म.सा. अत्यंत ही प्रबुद्ध एवं ओजस्वी प्रखर वक्ता थे। आपके व्याख्यान सुनकर अनेक राजा महाराजा प्रभावित होकर आपके अनुयायी बन गये थे जिनका जीवन धर्म संघ के प्रति समर्पित हो गया। षष्ट्म् आचार्य श्री जवाहरलालजी म.सा. ने अजमेर में साधु सम्मेलन में समस्त साधु समाज का एकीकरण किया। श्री जवाहरलाल नेहरू, श्री लोकमान्य तिलक, श्री विनोबा भावे, सरदारवल्लभ भाई पटेल आदि राष्ट्रीय नेताओं ने आपके प्रवचन श्रवण का लाभ लिया। आपने अनेक साहित्यों का सृजन किया। भीनासर, बीकानेर में जवाहर विद्यापीठ आपके नाम से संचालित है। सप्तम् आचार्य श्री गणेशलालजी म.सा. ने नवीन युग का सूत्रपात करते हुए आसोज सुदी दूज विक्रम संवत् 2019 दिनांक 30.9.1962 को मुनि नानालालजी म.सा. को विधिवत् रूप से उदयपुर भव्य प्रांगण में हजारों की जनमेदिनी के साक्ष्य में युवाचार्य की चादर प्रदान की और इसी दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की स्थापना हुई जिसका आज हम सभी 62वां वार्षिक अधिवेशन मना रहे हैं। यह किसी भी संस्था के लिए गौरव की बात है।

अष्ट्म् आचार्य श्री नानालालजी म.सा. विश्व की विरल विभूतियों में से एक थे। आचार्य श्री नानेश जैन ही नहीं जैनेत्तर समाज में भी ख्यातिलब्ध थे। मालवा प्रांत में पिछड़ी बलाई जाति के लोगों के जीवन उत्थान हेतु उन्हें सद्मार्ग पर लाकर धर्मपाल नाम से संबोधित किया। रतलाम में दिनांक 4.3.1984 को 25 दीक्षाएँ एक साथ सम्पन्न कर समग्र जैन समाज में त्याग–तप का कीर्तिमान स्थापित किया। अशांत विश्व को समीक्षण ध्यान व समता का सूत्र प्रदान कर मानव जाति पर उपकार किया। समाज मे फैली कुरीतियों के प्रति जन चेतना जागृत की। साहित्य सृजन की शृंखला में जिणधम्मो जैसे विराट साहित्य की रचना कर इसे कालजयी बनाया। अपने आचार्यकाल में 350 दीक्षाएँ प्रदान कर साधुमार्गी शासन की महती प्रभावना की। अपनी दिव्य दृष्टि से आपने उत्तराधिकारी के रूप में श्री रामलाल जी म.सा. को युवाचार्य श्री जी की चादर प्रदान की जो आज जिन शासन की प्रभावना कर रहे हैं।

नवम् एवं वर्तमान आचार्य श्री रामलालजी म.सा. का व्यक्तित्व जैन समाज ही नहीं अपितु जैनेतर समाज में भी अपनी संयमी साधना व ओजस्वी प्रवचन के लिए महत्त्वपूर्ण पहचान रखता है। बीकानेर की पुण्यधरा पर युवाचार्य श्री जी की चादर ग्रहण कर निरंतर आगमों, प्राकृत एवं संस्कृत साहित्यों का पान कर आगमज्ञाता के रूप में ख्यातिलब्ध हुए। आचार्य पद का दायित्व निर्वहन करते हुए धर्मोपदेश का अमृतपान कराते हुए 17 राज्यों में हजारों किलोमीटर पद विहार कर चुके हैं। आपके नेश्राय में 479 चारित्रात्माएँ सम्पूर्ण भारतवर्ष में धर्म की सुरभि फैला रहे हैं। आपके मुखारविंद से 405 मुमुक्षुओं को जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करना एक कीर्तिमान है जो आपको दीक्षा दानेश्वरी के रूप में आलोकित करता है। युवाओं और विद्यार्थियों को व्यसनमुक्ति का संकल्प दिलवाकर स्वस्थ एवं निरोगी समाज की परिकल्पना को चरितार्थ किया। समाज में फैली कुरीतियों, आडम्बर के उन्मूलन हेतु उत्क्रांति के रूप में एक प्रकल्प देकर आप उत्क्रांति प्रणेता बने, जिसका अनुसरण निरंतर अन्य समाज में भी होने लगा है।

आपकी उपादेय का प्राणी मात्र ऋणी रहेगा। आपके अनुयायी भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी धर्म प्रभावना कर रहे हैं। आपके चातुर्मास में अद्भुत, अद्वितीय, तप आराधना का वातावरण देखने को मिलता है। आपश्री के मार्गदर्शन में साधुमार्गी सम्प्रदाय निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। उसी प्रकार संघ में ज्ञान दर्शन चारित्र की अभिवृद्धि हो रही है।

# आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. परिचय

प्रत्येक युग में किसी न किसी महापुरुष का अवतरण होता है और वे विरल आत्माएँ संसार की असारता को जानकर निरंजन-निराकार स्वरूप बनने के लिए प्रभु महावीर के शासन में प्रव्रजित होकर आत्मा से महात्मा, महात्मा से परमात्मा बनने के लिए प्रयत्नशील रहती हैं। ऐसी ही दिव्य आभा समेटे हुए शास्त्रज्ञ, तरुण तपस्वी, प्रशांतमना, व्यसन मुक्ति के प्रणेता आचार्य-प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. वर्तमान में संघ नायक के रूप में इस विशाल संघ को निरन्तर अभिवृद्धि की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

## जन्म :

गुरुदेव का जन्म देशनोक के यशस्वी भूरा कुल में विक्रम सम्वत् 2009 चैत्र शुक्ल चतुर्दशी को माता गवरा की रत्नकुक्षि से हुआ। आपके पिता का नाम श्री नेमीचंद जी है।

## संयम :

आपने वि.सं. 2031 माघ शुक्ल 12 को देशनोक में समता विभूति आचार्य श्री नानेश के मुखारविंद से भागवती दीक्षा अंगीकार की। अनाथीमुनि की तरह दृढ़संकल्प के साथ माद्य शुक्ला 12 सन् 1975 के देशनोक में समीक्षण ध्यान योगी, समता विभूति श्रद्धेय आचार्य श्री नानेश से प्रव्रज्या अंगीकार की।

## मुनि प्रवर :

आपश्री में विनय, अनुशासन एवं संयम की सजगता को ध्यान में रखते हुए आचार्य श्री नानेश ने वि.सं. 2047 आसोज सुदी दूज को चित्तौड़गढ़ में **मुनि प्रवर** उपाधि से अंलकृत किया।

## युवाचार्य पद :

आचार्य प्रवर अप्रतिम प्रतिभा सम्पन्न, शास्त्रज्ञ, परमागम रहस्यज्ञाता एवं आगमों के गूढ़ ज्ञाता है। आपकी सारणा, वारणा व धारणा के गुणों से प्रभावित होकर वि.सं. 2048 फाल्गुन शुक्ल तृतीया को बीकानेर में जूनागढ़ के विशाल प्रागण में आपको युवाचार्य पद से अभिषिक्त किया गया। आप व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक हैं, आपकी सद्प्रेरणा से लाखों लोग कुव्यसनों का त्याग कर सद्मार्ग की ओर अग्रसर हुए हैं।

## आचार्य पद :

वि.सं. 2056 कार्तिक कृष्णा तृतीया को उदयपुर में आप हुक्म संघ के नवम् पाट पर आचार्य के रूप में आरूढ़ हुए। आपश्री ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उड़ीसा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि प्रांतों में विचरण कर जिनशासन की भव्य प्रभावना की अभी तक आप 405 दीक्षा प्रदान कर तिन्नाणं और तारयाणं के पद को सार्थक करते हुए दीक्षा दानेश्वरी के रूप में ख्यातिलब्ध हुए। आप श्री हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत-अपभ्रंश आदि भाषाओं के साथ जैन एवं जैनेतर दर्शनों के भी विशेष ज्ञाता हैं। संयम के प्रति हर पल सजगता व जागरुकता आपके जीवन के रोम-रोम में समाहित है। कथनी एवं करनी में एकरूपता और आडम्बर रहित जीवन आपकी विशिष्ट पहचान है। आपके चिन्तन में सदैव यही मनोभाव रहता है कि संघ का प्रत्येक श्रावक-श्राविका ज्ञानवान एवं चारित्रवान बने। चतुर्विध संघ की बागडोर संभालने के पश्चात् व्यसन मुक्ति, संस्कार निर्माण वर्ष, समता स्वाध्याय वर्ष, संस्कार समीक्षा सुधार वर्ष, संघ समर्पणा वर्ष, उपासना विशुद्धि वर्ष, श्रमणोपासक वर्ष, ज्ञान-चेतना वर्ष, आत्मनिर्भर वर्ष, ज्ञानाराधना वर्ष, साधुमार्गी संकल्प शाखा संयोजन वर्ष, गुणोत्कीर्तन वर्ष, उत्क्रांति वर्ष एवं पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि वर्ष, अनुपम वर्ष, जीवन परिवर्तन वर्ष, संयम साधना वर्ष, ज्ञान-आराधना वर्ष, अनन्य चातुर्मास मेरा चातुर्मास, आचार विशुद्धि महोत्सव, साधना महोत्सव, श्रावक से सुश्रावक, गुणशील, समता सर्व मंगल, आध्यात्मिक आरोग्यम् के रूप में विभिन्न आयाम प्रदान किए। ऐसे युगपुरूष को शत्-शत् वंदन अभिवंदन। हम सब वीर प्रभु से आपश्री के दीर्घायु होने की मंगल कामना करते हैं।

## श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन संघ परिचय

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की शाखाओं के रूप में श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति एवं श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ के श्रावक-श्राविका निरन्तर इसकी प्रवृत्तियों को और अधिक प्रभावी बनाने में जुटे हुए है। देशभर में इन दोनों संस्थाओं के हजारों श्रावक-श्राविका दिन-रात मेहनत कर अपने उद्धेश्यों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में जुटे हुए हैं। संघ निरन्तर आत्मनिर्भर बनकर विकास कर रहा है तथा संघ की प्रवृत्तियों का संचालन और अधिक कुशलता से किया जा रहा है।

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा संघ का सम्पूर्ण कार्य संचालित किया जाता है। कहा जाता है कि किसी भी संस्था की प्रगति में उसके कार्यालय का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है एवं उसे रीढ की हड्डी के रूप में स्थान दिया गया है। संघ स्थापना के साथ ही बीकानेर में रांगड़ी चौक में संघ का प्रथम कार्यालय स्थापित किया गया। तत्पश्चात् संघ कार्यों के विकास के साथ-साथ नवीन कार्यालय भवन की आवश्यकता महसूस की गई। उसी को देखते हुए आषाढ शुक्ला 12 संवत् 2031 दिनांक 1 जुलाई, 1974 सोमवार को दानवीर समाजरत्न श्री गणपतराजजी बोहरा के करकमलों से कार्यालय भवन का उद्घाटन किया गया। जो केन्द्रीय कार्यालय बीकानेर के रामपुरिया मार्ग में स्थित था। वर्तमान केन्द्रीय कार्यालय पूर्णतया कम्प्यूटराईज्ड एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर में स्थित है।

## श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति- उद्भव एवं परिचय

आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलालजी म.सा. का अलौकिक अतिशय, उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. का दृष्टामय मार्गदर्शन एवं समस्त चारित्र आत्माओं का अध्यात्म के धरातल से लबालब बोध की कृपा से जिनशासन की अद्भुत प्रभावना करने का सुअवसर श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति को प्राप्त हुआ। नारी वर्ग ममता, करुणा, वात्सल्य का प्रतिबिम्ब है। अगर किसी भी समाज की नारी सुसंस्कारित, शिक्षित एवं सभ्य होगी तो वह समाज किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं रहेगा। उसी उद्देश्य को लेकर महिलाओं के संगठन की स्थापना श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के रूप में की गई। महिला समिति की स्थापना जैन पंचांग आसोज सुदी 3 अर्थात् 8 अक्टूबर 1967 को दुर्ग, छतीसगढ़ में श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की अंतर्गत संस्था के स्वरूप में हुई। अपने स्थापना से लेकर अब तक महिला समिति की देशभर में फैली सैकड़ों शाखाओं ने संगठन, केसरिया कार्यशाला, युवती शक्ति, वुमन्स मोटिवेशनल फोरम, परिवारांजलि, सर्वधर्मी सहयोग, छात्रवृत्ति, धार्मिक क्रियाकलाप आदि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महिला समिति का केन्द्रीय कार्यालय समता भवन बीकानेर में स्थित है तथा वर्तमान में महिला समिति सभी प्रवृत्तियों की दिशा में एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण कार्य करके विकास के परचम लहरा रही है।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति नारी विकास, उत्थान हेतु पिछले कई वर्षों से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतवर्ष के 327 मंडल एवं 217 स्थानों पर सक्रिय सदस्यों के साथ महिला समिति की शाखाओं द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक अनेक प्रकल्पों का संचालन किया जा रहा है। निश्चित रूप से महिला समिति द्वारा किये जा रहे कार्य नारी विकास का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र हैं। समिति का प्रमुख उद्देश्य चतुर्विध संघ में सम्यग्ज्ञान-दर्शन-चारित्र की अभिवृद्धि करना है।

महिला समिति के द्वारा 2017 में स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया गया जो बहुत ही गौरवशाली रहा। जब महिला समिति का गठन हुआ तो प्रथम अध्यक्षा के रूप में आनंदकंवर जी पितलिया को मनोनीत किया गया और अब तक इन 56 सालों में 21 अध्यक्षाओं को संघ सेवा का गुरुत्तर दायित्व प्रदान किया जा चुका है, जिनके अनुकरणीय सहयोग एवं पुरुषार्थ को कभी विस्मृत नही किया जा सकता है। श्रीमती आनंदकंवर बाई पितलिया, श्रीमती यशोदा देवी बोहरा, श्रीमती फूलकंवर बाई कांकरिया, श्रीमती विजिया देवी सुराना, श्रीमती सूरत देवी चौरडिया, श्रीमती अचला देवी तालेरा, श्रीमती प्रेमलता जी जैन, श्रीमती रसकुंवर बाई सूर्या, श्रीमती शांता देवी मेहता, श्रीमती निर्मला देवी चौरडिया, श्रीमती कांताबेन बोहरा, श्रीमती नीला देवी बोहरा, श्रीमती मीना जी रांका, श्रीमती रत्ना जी ओस्तवाल, श्रीमती शोभा देवी बैद, श्रीमती चंद्रकांता जी बोथरा, श्रीमती सुशीला जी सांखला, श्रीमती कुमुद जी सिपानी, श्रीमती प्रभा जी देशलहरा और श्रीमती नंदा जी कर्नावट एवं संघ की प्रत्येक आजीवन सदस्याओं ने अपना बहुमूल्य समय देकर विशालकाय एवं समृद्धिशाली स्वरूप का परिचय दिया। आपकी निःस्वार्थ सेवा अमूल्य योगदान ने महिला समिति को सशक्त और सुदृढ़ बनाया है भविष्य को और अधिक सुनहरा और गौरवमयी बनाने के लिए आपके सहयोग व मार्गदर्शन की महिला समिति सदैव प्रार्थिनी रहेगी। आपके निश्छल स्नेह और सहयोग के लिए महिला समिति सदैव आपकी आभारी रहेगी।

# श्रीमती पुष्पा मेहता

## अध्यक्षीय कलम से

**से पण्णया अक्खय सागरे वा, महोदही वावि अणंत पारे**
**अणाइले वा अकसाइ मुक्के सक्केव देवाहिवई जुइमं ॥**

स्वयंभू रमण समुंद्र सदृश अपार अप्रतिहत प्रज्ञा निधि, अत्यन्त निर्मल निष्कषाय, दृव्य और भाव संयोगो से विनिर्मुक्त, देवेन्द्र के समान तेजस्वी श्रमण भगवान महावीर स्वामी को कोटिशः नमन्।

**समुंद्दगम्भीरसमा दुरासया अचक्किया केणइ दुप्पहंसया।**

सागर के समान गम्भीर, जिनका पराभूत होना दुष्कर, परीषहादि से अविचलित, अत्रासित, अजेय, विपुल श्रुतज्ञान से परिपूर्ण षटकायरक्षक आचार्य भगवन् के चरणों में वंदन, **जहां से तिमिरविद्धंसे उत्तिट्ठन्ते दिवायरे, जलन्ते इवे तेएण एवं हवइ बहुस्सुए** ''अंधकार का विध्वंसक, उदीयमान दिवाकर तेज से जाज्वल्यमान होता है'' वैसे ही अज्ञानाधंकार के विनाशक तप के तेज से जाज्वल्यमान बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री जी को नमन समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में वंदन।

आदरणीय पूर्व अध्याक्षाएं, रा. प्रवृत्ति संयोजिकाएं पदाधिकारीगण, संभाग प्रमुखाएं, कार्यकारिणी सदस्य श्री अ.भा. सा. जैन महिला समिति के 57वें अधिवेशन में भीलवाड़ा की पावन धरा पर आप सभी का स्वागत व अभिनंदन।

गुरु आशीषों से महिला समिति द्वि शब्द मात्र नहीं है, बल्कि इस विशाल वृक्ष की प्रत्येक डाली, पत्ती एवं कली गुरुवर के इंगित इशारों पर कदम बढ़ाकर अपने पूर्ण सामर्थ्य से अपने पदचाप की झंकार छोड़ रही है।

संगठन को मजबूत बनाने के लिए समिति ने साप्ताहिक, पाक्षिक एवं मासिक मंडल लगाने का आह्वान किया था। 21 नए महिला मंडल का गठन व जहां मंडल नहीं बन सकते हैं उन क्षेत्रों के सक्रिय सदस्य के रूप में 94 क्षेत्र जुड़े। 1 वर्ष में कुल 327 नए सदस्यों को जोड़ा गया। प्रत्येक स्थानीय मंडल के माध्यम से नव–वधुओं का स्वागत करवाकर, नई पीढ़ी को संघ से जोड़ने का प्रयास किया गया।

बेटियां एक कुल को नहीं दो कुलों को रोशन करती है। अतः भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रकल्पों के माध्यम से युवती शक्ति को संस्कारित किया जा रहा है। (गठबंधन, DIY, संवर दिवस, तृप्ति, दिशा आदि प्रकल्पों के माध्यम से) और इसी कड़ी में गोल्डन स्टेप जिसमें आने वाले नए मेहमान को सुसंस्कारित करने के लिए गर्भसंस्कार कार्यक्रम भी करने का भाव हैं।

वुमन्स मोटिवेशनल फोरम में पोस्टग्रेजुएट एवं प्रोफेशनल श्राविकाओं को उनकी व्यस्ततम् दिनचर्या में उनके आध्यात्मिक विकास के लिए धार्मिकता के माध्यम से संघ से जोड़ने का अनुपम प्रयास।

अखिल भारतीय स्तर पर केसरिया कार्यशाला पिछले 6 वर्षों से आगम ज्ञान के माध्यम से वर्तमान में आचार्य भ. की 8 सम्पदाओं पर गतिमान है।

पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण करने वाले श्रावक–श्राविकाओं द्वारा, ग्रहण किए गए परिवारांजलि के नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने के लिए एवं नये श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए स्टीकर लगाने के अतुलनीय कार्य किया जा रहा है।

सर्वधर्मी श्रावक श्राविकाओं को भी महिला समिति कंधे से कंधा मिलाकर समाज को समानता के स्तर पर लाकर सुदृढ़ बनाने का एक अथक प्रयास। छात्रवृत्ति के माध्यम से कई छात्र–छात्राओं को अपनी शैक्षणिक मंजिल दिलाने के लिए महिला समिति पुरजोर कोशिश कर रही है।

आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. का संयम जीवन स्वर्णिम इतिहास की रचना करते हुए 50 वर्ष पूरे करने जा रहा है। परम् पूज्य आचार्य भगवन् ने अपना पूरा जीवन संयम की उत्कृष्ट पालना करते हुए साधुमार्गी संघ के विकास एवं भव्य जीवों के उत्थान हेतु समर्पित किया है। हम सभी का परम सौभाग्य है कि परमप्रतापी आचार्य भगवन् का

50वां दीक्षा दिवस महत्तम शिखर वर्ष के रूप में मनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक श्रावक–श्राविका एवं बच्चें अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार अभिरामम् रूपी अनमोल अवसर को आत्मसात् करके जुडें तथा सकल समाज को जोड़कर स्वयं को धन्य बनाएं।

समय–समय पर केन्द्रीय व आंचलिक पदाधिकारियों द्वारा भगवन् के आयामों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न क्षेत्र में प्रवास किये जा रहे है। आपसी Communication संगठन की मजबूती, सर्वधर्मी वात्सल्य, केन्द्रीय समिति का स्थानीय मंडल से जुड़ाव विकसित करने के लिए प्रवास सशक्त माध्यम है अभी तक पिछले 1 वर्ष में मेवाड़, बीकानेर–मारवाड़, जयपुर–ब्यावर, मध्यप्रदेश, छ.ग.–उड़ीसा, मुंबई– गुजरात–यू.ए.ई, महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश, पूर्वोत्तर, दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरी अंचल का प्रवास हुआ।

किसी भी कार्य को संचालित करने में सुदृढ़ टीम की जरूरत होती है। कार्य करने के लिए ऊर्जावान महामंत्री जी, कोषाध्यक्षा जी, सह–कोषाध्यक्षा जी, संभाग प्रमुखा जी, रा. प्रवृत्ति संयोजिकाएं, आंचलिक उपाध्यक्षाएं–मंत्री, आंचलिक संयोजिकाएं, स्थानीय अध्यक्ष–मंत्री, स्थानीय संयोजिकाएं एवं समस्त अजीवन सदस्याएं जो सभी कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हुए। पूरी टीम ने जितना स्नेह प्रेम संबल हर कार्य हर प्रवृत्ति को पूर्ण करने में दिया वह अतुलनीय अविस्मरणीय है। संघ संगठन की एकता की मजबूत डोर ही टीम वर्क की सफलता का मंत्र है। अतः 23–24 के कार्यकाल में संपूर्ण टीम का जो सहयोग मिला है उसके लिए अंतर्मन की असीम गहराइयों से आभार व्यक्त करती हूँ। कार्य के दौरान मन–वचन–काया से किसी को ठेस पहुँची हो तो अंतर्मन से क्षमायाचना चाहती हूँ।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी गणवेश की एकरूपता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए गणवेश को विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों एव कार्यक्रमों में धारण करना अनिवार्य है।

कार्यालय हमारे रीढ़ की हड्डी है जो हर कार्य को पूर्णता की ओर ले जाने को तैयार है। इसके लिए हमारी पूरी टीम को एक मजबूती प्रदान करने के लिए हमारा यह सपोर्ट सिस्टम हमारे साथ निरंतर गतिमान रहता है। आगे हमारे आयामों एवं प्रवृत्तियों की उत्कृष्टता दिखायी देती है। पर इनके कार्य के बिना हर मंजिल अधूरी है।

**अंत में धन्यवाद साधुवाद उस संघ को जिस संघ ने संघ सेवा का स्वर्णिम अवसर प्रदान कर सभी को एक साथ निर्जरा का मौका दिया। अभी रूकना नहीं, अभी थमना नहीं, अभी तो मंजिल बाकी है, संघ के रोशन भविष्य में यही हमने ठानी है।**

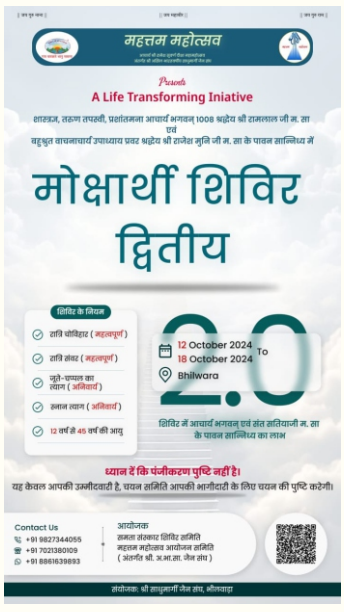

# श्रीमती स्नेहलता कोठारी

## राष्ट्रीय महामंत्री

**मनुष्य भव, धर्म श्रवण, धर्म पर श्रद्धा दुर्लभ है, फरमाया...**
**अनजान बना ये जीव अनंत काल तक चहु गति में भरमाया।**
**पाया राम गुरु का शासन, इनसे बोध पाकर इठलाया,**
**सोने पर चढ़ा सुहागा, संघ सेवा का अनुपम अवसर जो पाया**
**श्रद्धा, अहोभाव चूमे गगन को, और भावों का समंदर गहराया**
**धर्म रंग से रंगा ये मन, और महत्तम शिखर पर भी परचम लहराया।**

अहिंसा के अवतार श्रमण भगवान महावीर के चरणों में नमन! आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के चरणों में समर्पण! उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. के चरणों में वंदन अर्पण। समस्त चारित्रशील आत्माओं को विधिवत् वंदन!

57 वर्षों तक जिन पूर्व अध्यक्षाओं, महामंत्रियों, समस्त पदाधिकारियों एवं स्थानीय मण्डलों की प्रत्येक सदस्या ने अपनी श्रद्धा व कार्य कर्मठता से इस वृक्ष को सींचा है, इस बगिया को अपने अमूल्य योगदान से महकाया है, जिसकी मिट्‌टी में हमारे राम गुरु के चरण रज की सौंधी खुशबु है, उसी की एक बूंद, एक कण बनने का सौभाग्य हम सभी को मिला है।

**गौरवशाली कर्तव्यनिष्ठ अध्यक्षा के नेतृत्व से छूएंगे हर ऊँचाई ...**
**साथ अपनी टीम जब चलें, पहचानेंगे स्वयं में भी धर्म की गहराई।**

अनेक प्रवृत्तियों से (संगठन, केसरिया कार्यशाला, युवती शक्ति, साधुमार्गी मोटिवेशनल फोरम, छात्रवृत्ति, सर्वधर्मी सहयोग आदि) समय–समय पर गुरु व संघ प्रदत्त आयामों को अपने सशक्त हाथों से महिला समिति कार्यरत है। प्रतिक्रमण को संपूर्ण मण्डल में व्याप्त करने की पुरजोर प्रयासरत है। महत्तम महोत्सव का फिर कभी न मिलने वाला ये अनुपम अवसर भी हमें प्राप्त हो रहा है। ढाई वर्षों से चले आ रहे हमारे गुरुवर की स्वर्ण दीक्षा जयंती का यह बिगुल चहुँ ओर एक सकारात्मक ध्वनि का संचार कर रहा है। निरंतर तप त्याग व अनेक सामाजिक कार्यों से कदम आगे बढ़ रहे हैं।

चाहे पर्युषण पर्व हो या चातुर्मासिक स्थापना या हो वीर निर्वाण और फिर अक्षय तृतीया के पारणे, संघ समर्पण से धार्मिक क्रियाओं में सजग महिला समिति की प्रत्येक सदस्या अग्रणीय है। कोई तप त्याग में तो कोई ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय में मन रमा रही है। परीक्षाओं का नियमित संचालन गतिमान है। इन सभी आयामों प्रकल्पों का निश्चल प्रवाह समिति के विभिन्न आंचलिक उपाध्यक्षा–मंत्री, क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रत्येक सदस्या तक पहुंचाने में सक्षम ही नहीं हमारी बेहतर, बेहतरीन कार्य करने का प्रत्यक्ष राज है। हमारे हर उठते हुए कदम में कार्यालय में कार्यरत हमारी सपोर्ट टीम का एक बहुत बड़ा प्रत्यक्ष हाथ है।

जब एक जुट होकर बढ़ेंगे आगे तो ये केसरिया लहर अवश्य नित नए लक्ष्यों को प्राप्त करती रहेगी। इस केसरिया ताने बाने के प्रत्येक धागे में वह शक्ति, समर्पण की निहित है। आइये हम सभी आगे बढ़े और ''एक–एक मिल बना संघ यह दुस्संभव को भी साधे'' इन पंक्तियों को सार्थक करें। धर्म के चरम लक्ष्य को प्राप्त करने की लालसा को प्रत्येक दिल में जगायें। तभी हमारे आराध्य के पुरुषार्थ व संघ सारथी के श्री चरणों में सच्ची अभिव्यक्ति कर पायेंगे।

इन्हीं भावों से ...

ऐसा अवसर मिला है मिलेगा कहाँ, जिनशासन मिला है मिलेगा कहाँ
मिलके गाओ महिमा गुरु राम की, ऐसे गुरुवर का शरणा मिला है कहाँ

**।। जय नानेश ।।  ।। जय रामेश ।।**

# श्रीमती चंदा खुरदिया

## राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

**पावन वाणी, पावन जीवन, पावन जिनका है चिंतन, पावनतम् जिनवाणी का जो, करते है हर पल मंथन।**

**पावन है जिनकी देशना, पावन जिनका है आचार, ऐसे पावन पुण्य चरण में, श्रद्धा युक्त शत-शत वंदन।।**

समग्र विश्व में ज्ञान का उद्योत करने वाले चरम तीर्थेश भगवान् महावीर स्वामी को कोटिशः नमन। परम श्रद्धेय प्रशान्तमना, परमागम रहस्यज्ञाता, सुपरिज्ञातकर्मा आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनि जी म. सा. के चरणों में कोटिशः वन्दन। समस्त चारित्रात्माओं को वन्दन। सभी को सादर जय जिनेन्द्र।

''भाग्यशाली है हम पुण्यशाली, जो गुरु पाये राम से'' हम बहुत ही सौभाग्यशाली है कि हमें ऐसे संघ की शीतल छाँव और परम उपकारी गुरुदेव का शरणा मिला है, जो तिरने व तिराने वाले है। जिनशासन रथ पर आसीन होकर भव्य आत्माओं को मुक्ति पथ पर गतिशील कर रहे हैं। आज पूरा संघ हमारे हृदय बिंदु, कृपासिंधु के संयम साधना के 50 वर्ष को ''सुवर्ण दीक्षा महोत्सव'' के साथ बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ मना रहा है। हमारे अनंत पुण्यों के उदय से हम सभी को हमारी अनंत आस्था के सागर, ममता के गागर आचार्य भगवन् का यह दीक्षा महोत्सव ''महतम महोत्सव मेरा महोत्सव'' को मनाने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ है। इस अनमोल अवसर को आत्मसात् करते हुए, श्रद्धा व समर्पणा के साथ हम भी गुरु चरणों में भेंट करें व अपनी आत्मा को आत्म कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ाये।

गुरु भगवंतो के आशीर्वाद एवं पूर्व वरिष्ठ श्राविकाओं व पदाधिकारियों के अथक पुरुषार्थ के सींचन से महिला समिति का यह बीज आज वटवृक्ष बनकर लहलहा रहा है, सभी को शीतलता प्रदान कर रहा है।

निःस्वार्थ भाव से संघ सेवा में उदार हृदय से दान देने वालों के विशिष्ट व अनुकरणीय वित्तिय सहयोग से महिला समिति द्वारा छात्रवृत्ति और सर्वधर्मी सहायता का कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा हैं। संगठन के अंतर्गत नये सदस्यों को जोड़कर समिति को सुदृढ़ता प्रदान की जा रही है। इसमें देश में ही नहीं विदेश में रहने वाले परिवारों को भी जोड़ा जा रहा है। हम सभी आचार्य भगवन् द्वारा बताये मार्ग पर आगे बढ़े, अपने कर्मों की निर्जरा करें। तन–मन–धन से सहयोग करते हुए समिति को शिखर तक पहुँचाने में संकल्पित होवें, यहीं शुभ भावना हमारे मन में जगे।

**धर्म रंग में रंगा ये मन, संघ सेवा से रचा नवजीवन। साथ पाया सभी का, लहलहा रहा समिति का चमन।।**

**आय - व्यय विवरण**

## श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत – श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

**Details forming part of Annual Accounts for the year ended at March 31, 2024**

| | For the year | |
|---|---|---|
| **Income** | 2023-24 | 2022-23 |
| Donation | 8,34,905 | 12,63,362 |
| | 8,34,905 | 12,63,362 |
| **Expenses** | | |
| Relief to Poor | 31,42,500 | 48,13,500 |
| Chhatravrati Expenses | 13,31,000 | 13,90,000 |
| Yuvti Shakti Expenses | 0 | 10,120 |
| Motivational Forum Expenses | 1,71,289 | 16,600 |
| Postage & Telephone Expenses | 10,556 | 43,364 |
| Printing & Stationery Expenses | 14,109 | 22,575 |
| Miscellaneous Expenses | 1,92,274 | 22,561 |
| | 48,61,728 | 63,18,720 |
| **Deficit for the year** | 40,26,823 | 50,55,358 |

# संगठन

**हो Communication हमारा-तुम्हारा**
**तो Connection बढ़े हमारा।।**

अक्षर से अक्षर मिलाकर शब्द और शब्दों से वाक्य व वाक्यों से वक्तव्य इसी प्रकार संघ संगठन को मजबूत करने का एक प्रयास हमारा भी है।

स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री एवं संगठन संयोजिकाओं से निवेदन है कि अपने–अपने क्षेत्र में हर 3 कि.मी की दूरी में हर सप्ताहिक/पाक्षिक मंडल लगवाये जाए, यदि गांव या शहर 7 कि.मी. से अधिक है तो उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

**संगठन का मूल उद्देश्य –**

अ) आजीवन सदस्य बनाना। (श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की सदस्यता)
ब) स्थानीय स्तर पर मंडल लगवाना। (दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक)
स) नव वधुओं का स्वागत।
द) स्थानीय स्तर पर मंडल का गठन नहीं है उस स्थान पर मंडल का गठन करना एवं जहां 10 सदस्याओं से कम हो वहां प्रतिनिधि का चयन करना।

**संगठन से संबंधित नियमावली :**

1. मंडल की शुरुआत एक नवकार मंत्र से करना।
2. मंडल में Talent वाइज स्वाध्याय, थोकड़ा, भजन, प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला एवं लेखन आदि की प्रतियोगिताओं के माध्यम से संचालन किया जाए।
3. संघ की रीति–नीति, नियम एवं धारणाओं की जानकारी। वंदना के पश्चात् दो लाईन संघ समर्पणा गीत।
4. शुद्ध सामायिक (बिना लाईट और बिना सैल की घड़ी के) या संवर (दोनों में से एक जरूरी)।
5. चारित्र आत्माएं विराजित हो उनके सानिध्य में मंडल लगे।
6. धोवन पानी की पूरजोर प्रभावना की जाए।
7. मंगल पाठ एवं एक छोटा–सा प्रत्याख्यान।

**विशेष आग्रह**

8. श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेश में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो।
9. स्थानीय मंडल की चयन प्रक्रिया का आमसभा में होना अनिवार्य है एवं आमसभा की रिपोर्ट अध्यक्ष/मंत्री एवं पाँचों प्रवृत्तियों (संगठन, केसरिया कार्यशाला, युवती शक्ति, परिवारांजलि, मोटिवेशनल फोरम) की संयोजिकाओं के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर में भेजना अनिवार्य है।
10. संगठन की सभी संयोजिकाओं से निवेदन है कि एक से अधिक मंडल लगते हैं तो स्थानीय स्तर पर अपनी टीम बना लेवें।

**स्थानक की सार संभाल –**

a. स्थानक में किसी प्रकार का (श्रावक/श्राविका) चित्र नहीं होना चाहिए।
b. स्थानक में जीवों की रक्षा/सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए (जाले नहीं होना)।
c. स्थानक में रखी गई पुस्तकों का समय–समय पर प्रतिलेखन होना आवश्यक है।
d. स्थानक में नियमित रूप से सामूहिक धर्म आराधना का लक्ष्य रखना।

**पाठ्यक्रम– स्थानीय क्षेत्र अपनी–अपनी अनुकूलता के अनुसार अखिल भारतवर्षीय स्तर पर जैन संस्कार पाठ्यक्रम, कर्म प्रज्ञप्ति एवं महत्तम महोत्सव के अंतर्गत संचालित आयामों के अनुसार अपने–अपने अध्ययन का लक्ष्य रखे।**

## :: स्वधर्मी स्नेह मिलन नियमावली ::

**स्थानीय अध्यक्ष-मंत्री**

- 01 से 07 जनवरी के मध्य स्थानीय संघ की अनुकूलता के अनुसार आयोजन
- महिला मंडल एवं बहू मंडल दोनों परस्पर सहयोग से संपन्न करावे।
- नववधूओं से लेकर 45 वर्ष से कम उम्र की सभी महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए।
- कुशल समय प्रबंधन करते हुए 1 घंटे में समापन का लक्ष्य रखें।
- उपस्थित सभी महिलाओं के नाम, मोबाइल नंबर, आयु लिखकर अंचल उपाध्यक्ष–मंत्री को भेजें।
- स्थान के नाम के साथ आयोजन का फोटो, वीडियो एवं फीडबैक उपाध्यक्ष–मंत्री को अवश्य भेजें।
- यदि आपके यहाँ कोई असाधारण प्रतिभा है तो उनके बारे में उपाध्यक्ष–मंत्री को बताए।
- प्रत्येक अंचल से तीन स्थानीय संघ को सम्मानित किया जाएगा।
- यह गतिविधि समता भवन, अतिथि भवन, जैन भवन, निवास स्थान या जैन नियमावली अनुसार उचित स्थान पर आयोजित किया जाए।

उपरोक्त नियमावली के आधार पर गतिविधि करवाई। **लगभग 200 से अधिक क्षेत्रों में संपन्न हुई।**

## :: मधुरम् गीतम् ::

**स्थानीय महिला एवं बहू मंडल अध्यक्ष-मंत्री के लिए**

- दिनांक 5 से 11 मार्च के मध्य स्थानीय संघ की सुविधानुसार आयोजन।
- स्थानक से दूरी अधिक होने की परिस्थिति में एक शहर में एक से अधिक सेंटर बना कर किया जा सकता है।
- एक सामायिक की आराधना करना है।
- निर्वध्य सामायिक करना अर्थात् मोबाइल, पंखे, बिजली आदि सचित का उपयोग नहीं करना।
- उपस्थित सभी सदस्यों को सामायिक का प्रत्याख्यान एक साथ में लेना है।
- वंदना, 5 नमस्कार मंत्र, धम्म सद्धा चालीसा से एक्टिविटी का शुभारंभ।
- 8 भजन का पीडीएफ साथ में दिया गया है, सम्पूर्ण एक्टिविटी इन 8 भजनों पर ही आधारित रहेगी।
- 8 भजन डायरी में लिख कर साथ में ला सकते है एवं गतिविधि के दौरान डायरी की सहायता ली जा सकती है (Print out मान्य नहीं रहेगा)

**उपरोक्त नियमावली के आधार पर गतिविधि करवाई गई।**

**प्रतिभागी क्षेत्र** - 174

**प्रतिभागी सदस्य** - 3065

## :: स्कूल चलें हम ::

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति की संगठन प्रवृत्ति के अंतर्गत **दिनांक 01 जून से 30 जून** के मध्य **''स्कूल चले हम''** का आयोजन रखा गया। जिसका मुख्य उद्देश्य श्राविका वर्ग को स्थानीय धर्म स्थान के रख–रखाव एवं समय–समय पर प्रतिलेखन की आवश्यकता के लिए जागरुक करना था।

**कुल प्रतिभागी क्षेत्र** - 109

- **चिन्तनमणियां :**

- मैं अनंत शक्ति सम्पन्न हूँ।
- मैं प्रतिक्षण इस बात के लिए जागृत हूँ कि मेरे भीतर लेशमात्र भी संक्लेश भाव नहीं उभरें।
- मैं किसी भी व्यक्ति, किसी भी वस्तु, किसी भी वातावरण या परिस्थिति के संयोग या वियोग से सर्वथा अप्रभावित रहता हूँ।
- मैं न सफलता पाने पर किंचित् मात्र भी प्रसन्न होता हूँ, न विफलता पाने पर लेशमात्र भी खिन्न होता हूँ, चाहे वो सफलता–विफलता धन, वैभव एवं साधना की ही क्यों न हो।
- मैं इस बात का बिल्कुल भी विचार नहीं करता कि कौन मुझे कैसा समझ रहा है। कौन मेरे प्रति क्या सोचता है। कौन मेरे प्रति क्या कहता है और मेरे प्रति किसका क्या दृष्टिकोण है? बल्कि मैं इस बात के लिए जागृत रहता हूँ कि मैं सही कर रहा हूँ या गलत, मैं अच्छे रूप में देखा जाना नहीं चाहता हूँ, लेकिन मैं सचमुच अच्छा रहना चाहता हूँ।
- मैं लोगों द्वारा मेरे प्रति किए गए अच्छे या बुरे विचारों को, अच्छे या बुरे वचनों को, अच्छी या बुरी प्रवृत्तियों को कभी भी मन में दोहराता नहीं हूँ।
- साथ ही मैं किसी भी व्यक्ति की गलती या दुर्गुण को बार–बार कहता या सोचता नहीं हूँ।
- मैं हर परिस्थिति को जीवन विकास का साधन मानता हूँ, उस परिस्थिति में पूर्ण सम्यक्त्व भाव को टिकाए रखने के लिए मानसिक तौर पर उद्यमशील रहता हूँ अर्थात् मैं किसी भी परिस्थिति में प्रसन्न, सुखी एवं सहज रहने के बिंदुओं का अनुसंधान करता रहता हूँ।

# DATA Matching Work

महिला समिति के सभी आजीवन सदस्यों को एम.आई.डी. (जनगणना के डाटा) के साथ Matching करवाकर MIS में अपलोड किया जा रहा है। 3 शीट अपडेट की जा चुकी है। शेष कार्य प्रगति ... पर है।

**Total - 15500** **with MID – 12171 (Uploaded)** **Not Have MID = 3329**

| | | Mahila Samiti - 23-25 | | Members | | Shree Sangh's DATA | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Anchal Id | Anchal Name | MANDAL | REPRESENTATIVE | LIfe Members | Members (From MID) | SANGH | REPRESENTATIVE |
| 1 | Mewar | 45 | 26 | 2961 | 4897 | 41 | 4 |
| 2 | Bikaner-Marwar | 37 | 23 | 1793 | 3529 | 44 | 35 |
| 3 | Jaipur-Beawar | 16 | 9 | 1109 | 1345 | 13 | 6 |
| 4 | Madhya Pradesh | 43 | 24 | 1751 | 3637 | 47 | 39 |
| 5 | Chattisgarh-Odisha | 74 | 33 | 2819 | 3989 | 76 | 67 |
| 6 | Karnataka-Andhra Pradesh | 16 | 1 | 614 | 1474 | 13 | 20 |
| 7 | Tamil Nadu | 4 | 5 | 279 | 979 | 3 | 22 |
| 8 | Mumbai-Gujarat-UAE | 14 | 2 | 1100 | 2218 | 11 | - |
| 9 | Maharashtra-Vidarbha-Khandesh | 20 | 53 | 1141 | 1029 | 14 | 9 |
| 10 | Bengal-Bihar-Nepal-Bhutan-Jharkhand-Aanshik Orissa | 26 | 8 | 600 | 1362 | 25 | 42 |
| 11 | Purvottar | 26 | 22 | 1017 | 815 | 18 | 13 |
| 12 | Delhi-Punjab-Hariyana-Uttari | 4 | 4 | 316 | 664 | 3 | 3 |
| 13 | International | 2 | 7 | - | - | 5 | - |
| TOTAL | | 327 | 217 | 15500 | 25938 | 313 | 260 |

## संघ सुस्वागतम्

### स्वागत संबंधी बिन्दु

1. नवकार। 2. स्वागत गीत। 3. कुमकुम तिलक। 4. मांगलिक।
5. नव वधू के परिवार के सभी सदस्य महिला समिति की आजीवन सदस्याएं हों।
6. अखिल भारतीय स्तर का आजीवन सदस्यता का फॉर्म भरवाना।
7. स्वागत का ग्रुप फोटो भेजना।

**कुल भेजे गए किट - 267**

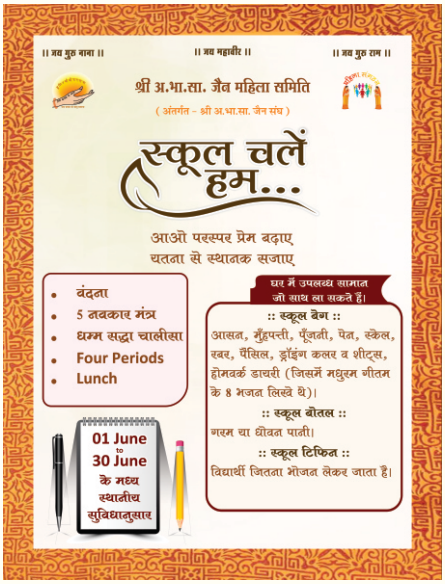

## नये महिला मण्डल क्षेत्रों का गठन – 21
(सत्र - 2023-24)

| क्र. | अंचल | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | बीकानेर–मारवाड़ | जोरावरपुरा, उदयरामसर, जेठानिया, गोलूवाला, सेत्रावा, सरदारशहर, पाटौदी, शेरगढ़, उन्त्वालिया। |
| 2. | जयपुर–ब्यावर | हाऊसिंग बोर्ड, कुन्डेरा, ककोड़, मण्डी रोड, श्यामपुरा। |
| 3. | मध्यप्रदेश | सिवनी मालवा, पिपलिया बुजुर्ग, इच्छापुर, बुरहानपुर। |
| 4. | मुम्बई–गुजरात | पिंपरी चिंचिवड़। |
| 5. | बिहार–बंगाल–नेपाल–भूटान | अररिया। |
| 6. | अंतर्राष्ट्रीय | युरोप। |

## नये प्रतिनिधि क्षेत्रों का गठन – 94
(सत्र - 2023-24)

| क्र. | अंचल | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | मेवाड़ | अरनोह, चिलेस्वर, डूंगला, दलोट, धरियावद, गदोला, गिंगला, केलि, खरका, नाई, सेमल, सांगावास, सारोठ। |
| 2. | बीकानेर–मारवाड़ | आऊँ, दुर्गावता, हनुमानगढ, झिंझियाला कला, खाजूवाला, खीचन, खींवसर, पांचौड़ी, पीलीबंगा, पिपलिया कला, रामा मंडी, श्रीगंगानगर, सिरसा, सोइंतारा, सोजत सिटी, सोजत रोड, सुवालिया, सूरतगढ, तेना। |
| 3. | जयपुर–ब्यावर | आदर्शनगर, देवली, हिण्डौनसिटी, खरवा, मसूदा, किशनगढ, बिजयनगर। |
| 4. | मध्यप्रदेश | छनेरा, खालवा, पाड़लिया, सावली खेड़ा, बलवाड़ी। |
| 5. | छत्तीसगढ–ओड़िसा | बट्रेल, दाडी, भालवाकुड़ा, जी–जामगांव, लखना, माली धूरी, ओधरा गहन, पचपेड़ी, पंडेर, पाटन रानी तराई, पाटन फंडा, राणा कुंजी, संजारी, सुरपा, सुरजपुर। |
| 6. | मुम्बई–गुजरात | अब्रामा, अतुल |
| 7. | महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश | निफाड़, रूईखैरी, बुलढाणा, मालेगाँव, मंगला देवी, लासलगाँव, खैरी, बोरखेड़ा, माढेली। |
| 8. | बिहार–बंगाल–नेपाल–भूटान | बहादुरगंज, गोसानिमारी, कटक, जदिया, सोनाली, कटिहार, मुरलीगंज। |
| 9. | पूर्वोत्तर | जोराहट, तीताबर, मेहंदी पथार, नूतन बाजार, सोनाई, काबूगंज, डफरोजा (अरुणाचल), जखलाबंदा, चापर्मुख, फकीराग्राम, डीमापुर, काठीघोड़ा, सोनारी, केलासर। |
| 10. | दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उतरी | बड़ौद, मेरठ, मुज्जफ्फरनगर। |

# केसरिया कार्यशाला

## आचार्य श्री की 8 सम्पदाएँ

**आचार सम्पदा से आप श्री जी को धनी है पाया। श्रुत की सम्पदा से युक्त बस आप श्री जी का आशीष ही चाहा।**
**आचार्य भगवन् आप है परम आगम रहस्य ज्ञाता, भानु तेज युक्त मुख दर्शन कर, भक्ति में मन रम जाता**

श्री दशाश्रुतस्कंध की चौथी दशा के आधार से आचार्य भगवन् की 8 प्रकार की सम्पदा का वर्णन चलता है। नवम्बर–दिसम्बर माह में आचार सम्पदा के विषय में कार्यशाला लगभग 60 क्षेत्रों में हुई जिसमें लगभग 750 से अधिक श्राविकाओं ने उत्साह से भाग लिया।

इस कार्यशाला में तीन प्रतियोगिताएं थी जिसमें प्रथम अपने गुरु के विषय में एक अनोखी बात बतानी थी जो हमने अनुभव की हो। दूसरी प्रतियोगिता में एक क्षण में 2 मिनट का स्किट करना था जिसका विषय था चारित्र आत्माओं का आचार, विहार, गोचरी आदि तीसरी प्रतियोगिता में दिए गए शब्द से शब्द शृंखला बनानी थी। तीनों ही प्रतियोगिताओं में श्राविकाओं ने बहुत ही उत्साह से भाग लिया।

**सूत्रों में आठ प्रकार की कही है गणि सम्पदा, जाना है अब तक दो को आचार और श्रुत सम्पदा,**
**हो जाए तैयार जानने तीसरी शरीर संपदा, आठों संपदा से सुशोभित रहे हमारे आचार्य स्वस्थ दीर्घायु सदा**

**आचार्य भगवन् की तीसरी सम्पदा :**

विनय से परिपूर्ण, तिक्खुतो के पाठ से वंदन नमन कर जम्बू स्वामी सुधर्मा गणि से पूछते हैं, तीसरी सम्पदा के विषय में :

प्रश्न – से किं तं सरीर संपया ?

उत्तर – सरीर संपया चउव्विहा पण्णता, तं जहा–

1. आरोहपरिणाहसंपन्ने चावि भवइ, 2. अणोतप्पसरीरे चावि भवइ,
3. चिरसंघयणे चावि भवइ, 4. बहुपडिपुण्णिदिए यावि भवइ। से तं सरीर संपया

अर्थात् – प्रश्न – भगवन्! वह शरीर सम्पदा क्या है? (सुंदर आकृति और तेजस्वी शरीर के धारक होना तीसरी शरीर संपदा है।)

उत्तर – शरीर सम्पदा चार प्रकार की कही गई है। जैसे –

1. शरीर की लम्बाई–चौड़ाई का उचित प्रमाण होना।

अर्थात् – ऊँचाई और मोटाई में प्रमाण युक्त शरीर अर्थात अति लम्बा या अति ठिगना तथा अति दुर्बल या अति स्थूल न होना। अपने माप से अपना शरीर एक धनुश लम्बा होना उचित प्रमाण का कहा गया है।

2. लज्जास्पद शरीर वाला न होना।

अर्थात् – शरीर के सभी अंगोपांगों का सुव्यवस्थित होना, दूसरों को हास्यास्पद और स्वयं को लज्जाजनक लगे, ऐसा शरीर न होना। लंगड़े, लूले, काने अथवा 19–21 ऊंगलियां होना अथवा इसी प्रकार से किसी अन्य अपंगता के दोषों से रहित होना।

3. शरीर संहनन सुदृढ़ होना। अर्थात् – शरीर शक्ति सम्पन्न होना। तप में, विहार में, संयम एवं उपकार के कार्य में थकावट न आवे, ऐसा स्थिर, दृढ़ और सबल संहनन होना।
4. बधिरता, अंधता आदि दोशों से रहित व परिपूर्ण होना अर्थात पूर्ण शरीर सुगठित होना। सर्व इन्द्रियों का परिपूर्ण होना। पूर्ण शरीर सुगठित होना। आँख–कान आदि की विकलता न होना अर्थात् सुंदर कांतिमान और प्रभावशाली होना।

**देख साधना अविचल तेरी सहज हाथ जुड़ जाते हैं, ब्रह्मचर्य का तेज देख, सहज शीश झुक जाते हैं।**
**ये तन-मन इनको अर्पण है ये अरिहंतों के दर्शन हैं, ऐसी होती है देखो साधना...**

**शरीर सम्पदा से युक्त हैं आचार्य हमारे :**

श्री आचारांग सूत्र का वाक्य पूर्वाचार्य श्री हुक्मीचंद जी म.सा. के अंतहृदय में बारंबार चमकता रहता ''इच्चेएहिं विरूववरूवेहिं पण्णाणेहिं अपरिहायमाणेहिं आयट्ठ सम्मं समणुवासिज्जासि'' जब तक पाँच इन्द्रियों की ज्ञान शक्ति हीन न हो तब तक आत्मार्थ को सम्यक् प्रकार (धर्म) से वासित कर लो।

''देहदुक्खं महापल्लं'' इसको आत्मसात् किया हमारे पूर्वाचार्य श्री शिवलाल जी म.सा. ने जिन्होंने 33 वर्षों तक एकान्तर तप की साधना में स्वयं को लीन रखा। स्वस्थ शरीर हो और उस पर मोह भी न हो...ऐसे हैं आचार्य हमारे।

''यद्यदाचरित श्रेष्ठः लोकस्तदनुवर्तन'' श्री चौथमल जी म.सा. स्वयं वृद्धावस्था में थे तब भी स्वयं लकड़ी का सहारा लेकर विधिवत् प्रतिक्रमण करते।

जब आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. को अपने परिवार से दीक्षा की अनुमति नहीं मिली तब उन्होंने टोंक शहर से निकलकर स्वयं साधुवेश धारण कर लिया और जब उनके घरवाले और पुलिस वॉरंट लेकर आये तो वे एक पाँव पर तीन घंटे तक एक ही स्थान पर खड़े रहे। पुलिस घबराकर पीछे हट गई। उन्हें दीक्षा की आज्ञा मिल गई। उनका शरीर नियंत्रण अद्‌भुत था।

पूज्य आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा. के गौरवर्ण, विशाल देह, घुटने तक लम्बी भुजाओं से सुशोभित देह से वे जब ईर्या समिति में लीन होकर हर कदम जीव रक्षा की भावना से ओतप्रोत होकर चलते तक उनकी संयम निष्ठा की झलक कुछ अद्‌भुत ही नजर आती थी।

ऐसे हमारे वर्तमान आचार्य जो संयम की घूंटी पी दृढ़ संकल्प से उसी राह पर आगे बढ़ते, हमें बढ़ाते, हमारे आराध्य, हमारे सर्वेसर्वा।

शक्ति संपन्न हमारे आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलाल जी म.सा. बीस–पच्चीस किलोमीटर का विहार करने का सामर्थ्य रखते हैं। पाँचों इन्द्रियों से परिपूर्ण परंतु उनके विषयों से निर्लिप्त आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. साधना के शिखर पर चढ़ रहे हैं। निरंतर निष्काम, स्थिर घंटों तक बैठ हमें द्वादशांगी वाणी का पान करवाते हैं। शरीर से सुदृढ़ आप श्री अनेक तपस्याओं में लीन रहते हैं। सोमवार मौन, शनिवार उपवास, हर माह चार एकासन, चार उपवास आचार्य भगवन् के रहते ही हैं। अहमदाबाद चातुर्मास में आचार्य श्री ने मासखमण की तपस्या भी की थी। साथ ही मुमुक्षु अवस्था में भी आचार्य भगवन् श्रावकों के कहने पर परीक्षा देने हेतु रेगिस्तान के मरूस्थलीय प्रदेश में रेतीले धोरों पर कई घंटो तक खड़े रहे यह है उनके शारीरिक सुदृढ़ता का परिचय अहोभाव युक्त, यही स्वर गूंजे।

**सदा स्वस्थ रहे गुरु हमारे यही प्रभु से अरज हमारी**

**दीर्घायु हो युगों-युगों तक कहते हम सब नर और नारी...**

**क्षेत्र जहां प्रथम बार केसरिया कार्यशाला संपन्न हुई** – टोंक, देवली, ककोड़, महावीर नगर, सवाई माधोपुर, पाली, सिलचर, सेलंबा, जेठाना, जगदलपुर, सोनारपाल, हरदा, सुकमा, दिनहट्टा।

**आचार्य श्री रामेश की सम्पदायें हैं हमारे लिए शिक्षा सार....**

**सीखेंगे, धारेंगे, बदलेंगे हमारे भी वाणी वचन और व्यवहार...**

**वचनों को धार हृदय, अब जानेंगे वाचना का सार।।**

श्री दशाश्रुतस्कन्ध की चौथी दशा के आधार पर 8 प्रकार की गणि सम्पदा का वर्णन जान रहे हैं ... आगे आ रही पांचवी सम्पदा .. जिज्ञासु, जम्बूस्वामी सविधि वंदना करके अणगार सुधर्मा गणि (स्थवीर भगवंत) से पूछते हैं।

प्र. : से किं तं वायणासंपया

उ. : वायणासंपया चउव्विहा पण्णता तं जहा –

1. विजयंउछिसइ 2. विजयं वाएइ 3. परिनिव्वाविइं वाएइ 4. अत्थनिज्जावए यावि भवइ से तं वायणासंपदा

अर्थात् – प्र. : भगवन् वाचना सम्पदा क्या है?

उ.: वाचना सम्पदा चार प्रकार की कही गई है। सो...

1. शिष्य की योग्यता का निष्चय करके मूल पाठ की वाचना देने वाला होना।
2. शिष्य की योग्यता का विचार करके सूत्रार्थ की वाचना देने वाला होना।

– यहाँ विजय–विचय शब्द के अनुप्रेक्षा, विचार–चिंतन आदि अर्थ है। मूलपाठ की तथा अर्थ की वाचना के साथ इस शब्द का प्रयोग यहाँ सूचित करता है कि शिष्य विनय, उपशान्ति, जितेन्द्रिय आदि श्रुत ग्रहण योग्य प्रमुख गुणों से युक्त है।

3. पूर्व में पढ़ाये गये सूत्रार्थ को धारण कर लेने पर आगे पढ़ाने वाला होना। कंठस्थ करने की शक्ति और उसे स्मृति में रखने की शक्ति का क्रमशः विकास हो इसका ध्यान रखना तथा पूर्व में वाचना दिए गए मूल पाठ का और अर्थ की स्मृति का निरीक्षण–परीक्षण करके जितना उपयुक्त हो आगे पढ़ाने वाला होना।

4. अर्थसंगतिपूर्वक नये–प्रमाण से अध्यापन कराने वाला होना। संक्षिप्त वाचना पद्धति से दिए गए मूल और अर्थ का परिणमन कर लेने पर शब्दार्थों के विकल्प, नए–प्रमाण, प्रश्न–उत्तर और अन्यत्र आए विषयों के उद्धरणों के संबंधों को समझाते हुए तथा उत्सर्ग–अपवाद की स्थितियों में उसी सूत्राधार से किस तरह उचित निर्णय लेना आदि तथा विस्तृत व्याख्या समझाना।

इस गुणों से युक्त आचार्य ''वाचना सम्पदा'' से युक्त होते हैं।

महापुरुषों के अमूल्य चिंतन से निकलने वाले सूत्र जिसके आचरण मात्र से जीवन में आमूलचूल परिवर्तन संभव है। द्वादशांगी वाणी, वाचना के प्रभाव से हम अछूते नहीं है। आपश्री जी की साधना के प्रभाव से आपके वचन कभी खाली नहीं जाते।

प्रभुवीर के 74वें पट्टधर परम् पूज्य श्री हुक्मीचंद जी म.सा. का प्रचलित प्रसंग है कि प्रवचन में सौनैयों की वर्षा हुई थी। आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. ने प्रवचन के माध्यम से जीवदया, जीव रक्षा की अनेक प्रेरणाये दी। अनेक स्थानों पर बलि हमेशा के लिए रोक दी और समय–समय पर जीव हिंसा का निषेध दिवस–अगते घोषित करवा दिए गए।

युगदृष्टा आचार्य श्री जवाहरलालजी म.सा. के उन्नत गहन चिंतन से अद्भूत एवं यथार्थस्पर्शी प्रवचन के श्रवण हेतु महात्मा गांधी, तिलक, विनोबा भावे आदि गणमान्य व्यक्तियों ने समय–समय पर पधारते व दिशा प्राप्त करते। देश की आजादी व उन्नति और एक ओर धर्म संघ की उन्नति के विषय में भी आपके प्रवचन तेजोमय होते।

पूर्वाचार्य समता विभूति आचार्य श्री नानेश के प्रवचन की धारा से संघ विभूषित अनेक चमत्कारों की व्याख्या भी पूर्वजों से प्राप्त होती है और उन्हीं के पाट पर विराजित, उन्हीं के सुशिष्य वर्तमान आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. की वाचना संपदा उत्कृष्ट है।

प्रत्येक दिन 02:30 बजे से अपने शिष्यों को, श्रावक–श्राविकाओं को आगम की वाचना प्रदान करते हैं, यह प्रथा हमारे पाट परम्परा का गौरव है। छोटे–छाटे साधु–साध्वियों में आगम के रहस्यों का ज्ञान सुलभ करवाते हैं। उनकी पृच्छा के सटीक उत्तर देते हैं जो हमें भी आश्चर्यचकित कर देती है।

प्रवचन में मानों वाणी मिश्री युक्त हमारे हृदय के अंतर पटों को खोल हमें अच्छे श्रावक–श्राविका के रूप में परिवर्तित करने का निरंतर प्रयास जारी है तथा रहेगा।

# युवती शक्ति

1. युवती शक्ति मंच साधुमार्गी संघ की 12 वर्ष से अविवाहित युवतियों के लिए हैं।
2. युवती शक्ति श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति (श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ) अन्तर्गत कार्यरत है।
3. युवती शक्ति मंच से जुड़ी हर सदस्य आचार्य श्री रामेश की पाट परंपरा के प्रति श्रद्धावान रहेगी।
4. उपरोक्त संघ द्वारा संवैधानिक रूप से जो भी नियम बनाए या संशोधित किये जाएगें युवती शक्ति मंच एवं उसके सदस्य भी उन सभी नियमों कों मान्य करेंगे।
5. युवती शक्ति की सदस्यता हेतु सदस्यता फार्म भरना अनिवार्य है और सभी निर्धारित मापदंडो के आधार पर सदस्यता ग्रहण की जाएगी।
6. इसका अंतिम व मान्य निर्णय लेने का अधिकार अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अन्तर्गत होगा।
7. सदस्य बनने पर प्रत्येक सदस्य को एक UI (Unique Identification) Code दिया जाएगा इसी से आपकी सदस्यता पहचान होगी।
8. युवती शक्ति द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों में पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा भाव से प्रतिभागी बनना व संघ के कल्याण हेतु पूर्ण समर्पण भाव रखना अपेक्षित है।

## Total Registration

| क्र.सं. | अंचल | पंजीकरण |
|---|---|---|
| 1 | मेवाड़ | 640 |
| 2 | बीकानेर–मारवाड़ | 529 |
| 3 | जयपुर–ब्यावर | 305 |
| 4 | मध्यप्रदेश | 553 |
| 5 | छत्तीसगढ़–उड़ीसा | 743 |
| 6 | कर्नाटक–आंध्रप्रदेश | 213 |
| 7 | तमिलनाडु | 114 |
| 8 | मुम्बई–गुजरात–यु.ए.ई | 445 |
| 9 | महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश | 299 |
| 10 | बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान | 253 |
| 11 | पूर्वोत्तर | 219 |
| 12 | दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश | 109 |
| कुल | | 4425 |

**गठबंधन –** युवती शक्ति के अंतर्गत गठबंधन जूम मीटिंग द्वारा दिनांक – 06 से 08 नवंबर 2023 तक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वे युवतियाँ जिनकी सगाई हो चुकी है अथवा जो इस पड़ाव पर है उनको भावी सुखी जीवन के लिये मार्गदर्शन किया गया। **हुबली निवासी श्रीमती दीपाजी कटारिया** द्वारा बहुत ही सुंदर एवं प्रेरणात्मक तरीके से युवतियों को सुखी जीवन की राह दिखायी गई। **Communication, Trust, Anger and Patience** जैसे विषयों को बहुत ही रोचक तरीके से एवं कहानियों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया।

**DIY (Discover the Incredible You) the Beginning -** दिनांक 19, 20, 23, 26, 27 जनवरी 2024 को 12 से 18 वर्ष की युवतियों के लिए युवती शक्ति द्वारा एक और ऑनलाइन गतिविधि का आयोजित किया गया। जिसमें जीवन में आने वाली समस्याओं को किस प्रकार से सकारात्मक तरीके से दूर करने के बारे में बताया । जो पूर्णत : self awareness पर आधारित था। जिससे मानसिक एवं भावनात्मक रूप से विकास किया। कार्यक्रम में मेंटर प्रीति जी जैन, बेगलुरू थे। इस सेशन को पर्युषना जी दफ्तरी ने लीड किया। गतिविधि में भाग लेने वाली सभी युवतियों सर्टिफिकेट दिया गया।

**महत्तम सामयिक दिवस :** 22 मार्च से 31 मार्च तक महत्तम गुरु के चरणों में छोटी सी भेंट के रूप में महत्तम सामायिक दिवस बनाया गया, जिसमें अंचलवार गणना इस प्रकार है–

| अंचल | – | क्षेत्र | अंचल | – | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| मेवाड़ | – | 09 | छत्तीसगढ़–ओड़िशा | – | 09 |
| बीकानेर–मारवाड़ | – | 19 | मुम्बई–गुजरात | – | 03 |
| जयपुर–ब्यावर | – | 04 | महाराष्ट्र–विदर्भ | – | 07 |
| मध्यप्रदेश | – | 08 | पूर्वोत्तर | – | 09 |

**कुल : 68 क्षेत्र, कुल प्रतिभागी - 604।**

**तृप्ति : "एक नई पहल"** (1 जून से 15 जून 2024 तक) इस झुलसाती गर्मी में, युवती शक्ति टीम द्वारा एक मदद का हाथ बढ़ाकर जरूरतमंदो को राहत प्रदान करके आशीर्वाद अर्जित किया। इस गतिविधि 'तृप्ति' के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उन लोगों को आराम और संतुष्टि प्रदान करना था, जो इस तपती गर्मी का सामना कर रहे थे।

**गतिविधि के दौरान कुल लाभार्थी- 22000**

**दिशा : Career Awareness Program** का ऑनलाइन वेबिनार लाया गया। जिसमे साधुमार्गी प्रोफेशनल फोरम के सदस्य और ग्लोबल करियर कांउसलर श्रीमान चेतन शिखरजी जैन, पुणे ने मार्गदर्शन किया। लगभग 160 युवतियों ने इस सेशन में भाग लिया और 61 युवतियों को श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति द्वारा निःशुल्क सुटेब्लीटी टेस्ट देने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें उनके द्वारा चुने गए करियर से संबधित प्रश्नोत्तर द्वारा मार्गदर्शन मिलता हैं।

**जयंतीबाई श्रमणोपासिका पुरस्कार (युवती शक्ति) :** – **सरिता जी ओस्तवाल, ब्यावर**
**( जयपुर-ब्यावर अंचल )**

12 TO 18 YEARS
(GIRLS ONLY)
DISCOVER
INCREDIBLE
YOU
THE BEGINNING...
January
2024
SUN MON TUE WED THU FRI SAT
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31
PLEASE REGISTER ON THE LINK
TO BE A PART OF THIS JOURNEY
TIMING :
7.15 TO 8.30 PM

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति
( अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ )
युवती शक्ति
Presents
A.B.C.D.
Exclusively For
अंचल संयोजिका &
स्थानीय संयोजिका
04 - 15 March, 2024

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति
युवती शक्ति
Presents
AN
OFFLINE
PLANET
महत्तम सामायिक दिवस
(22 से 31 मार्च के मध्य में)
आओ सामायिक दिवस मनाए
महत्तम गुरु के चरणों में छोटी सी भेंट चढ़ाएं

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन
महिला समिति
(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)
युवती शक्ति
के सभी अंचल संयोजिकाओं और
सह-संयोजिकाओं के लिए लाए हैं।
Date :
05 April
to
05 May
जयंतीबाई श्रमणोपासिका
पुरस्कार
जो प्रत्येक कार्यक्रम की बनेगी सहभागी
वही कहलाएगी त्रैमासिक विजेता प्रतिभागी।
संघ सेवा में झोंके जीवन, पाकर पूरी जानकारी,

खुशियों का पिटारा
Present's
तृप्ति
(एक नई पहल)
इस झुलसाती गर्मी में, आइए हम एक मदद का
हाथ बढ़ाते हैं और जरूरतमंदों को राहत प्रदान करके
आशीर्वाद अर्जित करते हैं। हमारे प्रोजेक्ट 'तृप्ति' के
माध्यम से, हमारा उद्देश्य उन लोगों को आराम और
संतुष्टि प्रदान करना है जो तपती गर्मी का सामना कर
रहे हैं।
:: DATE ::
01 June 2024
to
15 June 2024
खुशियों का
पिटारा

YUVTI SHAKTI
PRESENTS
let's
Connect the
dots ...

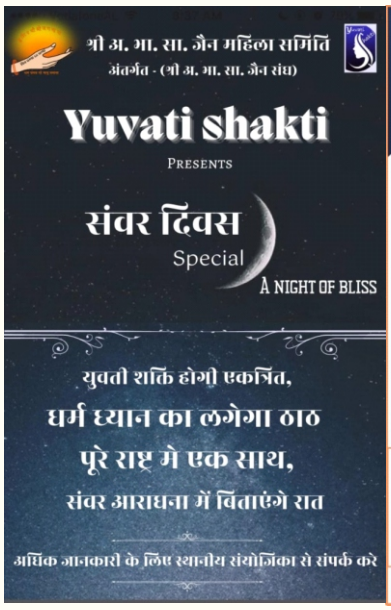
श्री अ. भा. सा. जैन महिला समिति
अंतर्गत - (श्री अ. भा. सा. जैन संघ)
Yuvati shakti
PRESENTS
संवर दिवस
Special
A NIGHT OF BLISS
युवती शक्ति होगी एकत्रित,
धर्म ध्यान का लगेगा ठाठ
पूरे राष्ट्र मे एक साथ,
संवर आराधना में बिताएंगे रात
अधिक जानकारी के लिए स्थानीय संयोजिका से संपर्क करे

युवती शक्ति
Presents
An Online Training Session
Only for Girls
DISHA
(Career Awareness & Guidance)
22th June 2024, Saturday
08:30 Pm
:: Speaker ::
Chetan Shikhar Jain
Zoom Link will be
Provided Soon
KEY TAKE-AWAY FROM THE SESSION :
Career Counseling & who can take it
Benefits of Career Counseling
Discover your Strengths, Passions & Career Potential
Navigate Career Options with Confidence & Clarity
Set Achievable Goals & Pave your path to success
CONFUSED ABOUT WHICH CAREER TO PURSUE ?
Registration is mandatory to attend the session.
Get
Sorted
with
us

# वुमन्स मोटिवेशनल फोरम

1. यह फोरम श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति (श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ) अन्तर्गत कार्यरत है।
2. मोटिवेशनल फोरम के सदस्य आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. की पाट परंपरा के प्रति सदा श्रद्धावान रहेंगे।
3. उपरोक्त संघ द्वारा संवैधानिक रूप से जो भी नियम बनाए या संशोधित किये जाएगें ये फोरम भी उन सभी नियमों को मान्य करेगा।
4. यह फोरम साधुमार्गी संघ के कन्याओं व महिलाओं के लिए है जो
   (I) स्नातकोत्तर डिग्रीधारी (Post Graduate) हो या पेशेवर डिग्री (Professional degree) प्राप्त हो।
   (II) जिनकी आयु कम से कम 21 वर्ष है।
   (III) विवाहित या अविवाहित दोनो में से कोई भी हो सकता है।
   (IV) इस फोरम की सदस्यता हेतु सदस्यता फॉर्म भरना अनिवार्य है और सभी निर्धारित मापदंडो के आधार पर सदस्यता ग्रहण की जाएगी।
5. जो भी सदस्य बनना चाहे तो उन्हें साधुमार्गी संघ द्वारा निर्धारित संविधान व नियम अनिवार्य रूप से पालन करने होंगे।
6. फोरम द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों में पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा भाव से प्रतिभागी बनना व संघ के कल्याण हेतु पूर्ण समर्पण भाव रखना अपेक्षित है।
7. सदस्य बनने पर प्रत्येक सदस्य को एक UI (Unique Identification) code दिया जाएगा इसी से आपकी पहचान होगी ।
8. उपरोक्त संविधान में संशोधन व निर्णय लेने का समस्त अधिकार श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के पास होंगे।

## कुल पंजीकरण

| क्र.सं. | अंचल | पंजीकरण |
|---|---|---|
| 1 | मेवाड़ | 612 |
| 2 | बीकानेर-मारवाड़ | 164 |
| 3 | जयपुर-ब्यावर | 177 |
| 4 | मध्यप्रदेश | 376 |
| 5 | छत्तीसगढ़-उड़ीसा | 380 |
| 6 | कर्नाटक-आंध्रप्रदेश | 89 |
| 7 | तमिलनाडु | 40 |
| 8 | मुम्बई-गुजरात-यु.ए.ई | 295 + 22 (अंतर्राष्ट्रीय) |
| 9 | महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश | 178 |
| 10 | बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान | 63 |
| 11 | पूर्वोत्तर | 71 |
| 12 | दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश | 77 |
| कुल | | 2544 |

**धम्म सदा चालीसा -**

साधुमार्गी वुमेन्स मोटिवेशनल फोरम के द्वारा धम्म सदा चालीसा पर पर प्रश्न–उत्तर से संबंधित एक गतिविधि दिनांक 22 अप्रैल 2024 ऑनलाइन संपन्न हुई।

**Sustainable Living :** 7th जुलाई को **बिहार-बंगाल-नेपाल-भूटान अंचल** के लिए साधुमार्गी वुमन्स मोटिवेशनल फॉरम की तरफ से Sustainable Living : **अनर्थण्ड से बचाव** पर आधारित एक ऑनलाइन गतिविधि करवाई गई। जिसे 5 अलग–अलग पहलु में साझा किया गया, जो निम्न प्रकार है–

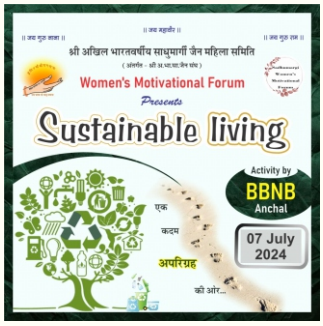


1. फलों के बीज व गुठलियों को एकत्रित करके उनका बीजारोपण करना।
2. पुराने अखबारों को एकत्रित करके कागज के छोटे बड़े अलग–अलग माप के थैले बनाए गए।
3. Reduce Reuse clothing : नए कपड़ों का उपयोग कम करें तथा पुरानें कपड़ो को अधिक उपयोग में लाए।
4. दूध की थैलियों को एकत्रित करके उन्हें ईंट बनाने के काम में ले सकते है और प्लास्टिक को डम्पिंग यार्ड में फेंकने से बचा जा सकता है।
5. टूटे हुए बालों को एकत्रित करना जिससे की जाने–अनजाने में मूक जीवों के पेट में बाल न चले जाए और बाल कटवाते समय कटे बालों को लेकर उसे पूनः उपयोग (विग बनानें) के लिए दे देंवे।

इसमें सभी स्थानीय संयोजिकाओं ने भाग लिया और इसे सफल बनाया। जूम पर 100 महिलाओं ने भाग लिया और लगभग 500 से अधिक लोगों ने इसे युट्युब पर लाइव देखा।

**"Alert today bright tomorrow"** – साधुमार्गी वुमेन्स मोटिवेशनल फोरम के द्वारा **छत्तीसगढ़-ओडिशा** अंचल के लिए दिनांक 3 अगस्त को एक गतिविधि आयोजित करवाई गई जो कि 14 नियम पर आधारित थी। गतिविधि में कुल 279 सदस्याओं ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। 14 नियमों को नए एवं सरल भाषा में सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किए गए। 3D के माध्यम से इस गतिविधि को समझा गया। जैसे डाइनिंग टेबल, ड्रेसिंग और ड्राइविंग करने के सरल तरीके बताए गए जिसे आसानी से ग्रहण करले। अपने जीवन में मेरु पर्वत जितने पाप को राई जितना कर सकते हैं। फोरम की ये गतिविधि ऑनलाइन संपन्न हुई।

**"Goal Setting" -** साधुमार्गी वुमेन्स मोटिवेशनल फोरम के द्वारा जूम मीटिंग के माध्यम से **तमिलनाडु अंचल** में **Goal Setting** नामक गतिविधि दिनांक 21 सितम्बर 2024 ऑनलाइन संपन्न हुई।

**गतिविधि के नियम -**

1. आज से अपने Goals को लिखूंगी।
2. आज से प्रत्येक दिन एक नई लाइन/अक्षर सीखूंगी।
3. आज से मैं प्रत्येक दिन 15 मिनट संवर करने का लक्ष्य रखूंगी।
4. संघ को कैसे अपना योगदान द सकती हूँ उसे लिखकर रोज इस पर विचार करूंगी।
5. मैं अपने Passion को Vision में परिवर्तित करूंगी।

# परिवारांजलि

**उद्देश्य–**

पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण करने वाले श्रावक–श्राविकाओं द्वारा ग्रहण किए परिवारांजलि नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाना।

नए श्रावक–श्राविकाओं को परिवारांजलि आयाम से जोड़ना।

**समाधान–**

जिन श्रावक–श्राविकाओं एवं परिवारों ने परिवारांजलि ग्रहण की है, उन्हें परिवारांजलि परिवार घोषित करने हेतु एवं परिवार के सभी सदस्यों को ग्रहण की गई अंजली का स्मरण रहे एवं वे दृढ़तापूर्वक पालन करते रहे, इस हेतु Sticker बनवाए गए हैं। Sticker में दो भाग है जिसमें से एक हमें उन समस्त परिवारों के घर में चिपकाना है जिन्होंने अंजलि ग्रहण की है। दूसरा भाग कार्यालय के उपयोग हेतु रहेगा।

**कार्य प्रणाली–**

1) सभी स्थानीय संयोजिकाएँ अपने–अपने क्षेत्र के प्रत्येक उन परिवारों से संपर्क करें जिन्होंने पूर्व में अंजलि ग्रहण की है।
2) परिवारांजलि परिवार द्वारा ग्रहण की गई अंजलियों के पच्चक्खाण का वे आजीवन दृढता से पालन करे, ऐसी प्रभावना करें।
3) Sticker को उनकी आज्ञा लेकर उनके घर की दिवार पर चिपकाएँ।
4) एक प्रति (Sticker के नीचे वाली) अंचल संयोजिका तक पहुँचाने की कृपा करें।
5) सभी अंचल संयोजिका पूरे अंचल की स्थानीय संयोजिकाओं से प्राप्त प्रति राष्ट्रीय संयोजिका तक पहुंचाने की कृपा करें।

Sticker भेजने की प्रक्रिया - Sticker प्रत्येक अंचल के उपाध्यक्ष/मंत्री/अंचल संयोजिका में से किसी एक पदाधिकारी को भेजे जाएँगे। जिन्हें उन्हें प्रत्येक क्षेत्र की स्थानीय संयोजिका तक पहुँचाना रहेगा। प्रत्येक क्षेत्र में Sticker वहाँ के Date को ध्यान में रखकर पहुँचाना है।

## Total Registration

| क्र.सं. | अंचल | | भेजे गए स्टीकर्स |
|---|---|---|---|
| 1 | मेवाड़ | 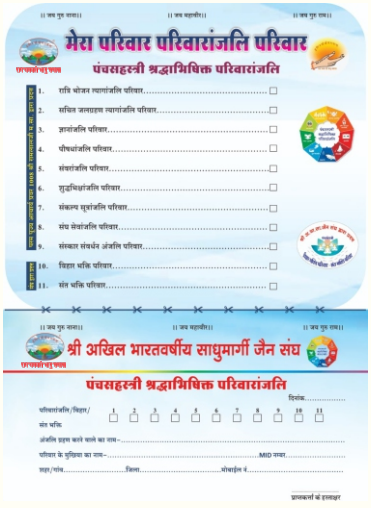 | 100 |
| 2 | बीकानेर–मारवाड़ | | 850 |
| 3 | जयपुर–ब्यावर | | 220 |
| 4 | मध्यप्रदेश | | 100 |
| 5 | छत्तीसगढ़–उड़ीसा | | 300 |
| 6 | कर्नाटक–आंध्रप्रदेश | | 100 |
| 7 | तमिलनाडु | | 0 |
| 8 | मुम्बई–गुजरात–यु.ए.ई. | | 125 |
| 9 | महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश | | 100 |
| 10 | बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान | | 35 |
| 11 | पूर्वोत्तर | | 100 |
| 12 | दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश | | 100 |
| कुल | | | 2130 |

# समता छात्रवृत्ति योजना

**(कक्षा 1 से 12 तक)**

## – साधुमार्गी परिवार के विद्यार्थियों के लिए – (कक्षा 1 से 12 तक)

- जैन संस्कार पाठ्यक्रम की प्रमाण-पत्र की प्रति।
- जैन साधुमार्गी ग्लोबल कार्ड बना हुआ होना अनिवार्य है।
- छात्रवृत्ति आवेदन के लिए गत कक्षा में विद्यार्थी ने कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।
- छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थी के विद्यालय के खाते में प्रदान की जाएगी। इसलिए विद्यालय के बैंक खाते का विवरण।

Please Scan

**तीनों इकाई के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री से करबद्ध निवेदन है कि अपने क्षेत्र में समता छात्रवृत्ति की प्रभावना करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हो सके।**

**पूर्ण विवरण, पात्रता, आवेदन प्रपत्र इत्यादि श्री संघ एवं महिला समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध है।**

**सम्पर्क सूत्र : 6375633109**

| SCHOLARSHIP - 2024-25 | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Total | Sanctioned | Rejected | Sanction Ammount | In Enquiry |
| 105 | 54 | 20 | 6,86,000 | 31 |

## सर्वधर्मी और वीर परिवारों को (विगत 1 वर्ष में प्रदान कुल सहायता राशि)

| माह | सर्वधर्मी और वीर परिवार | सहायता राशि (लाखों में) |
|---|---|---|
| जुलाई से सितम्बर 2023 | 224 | 10,83,000 |
| अक्टूबर से दिसबर 2023 | 214 | 10,02,500 |
| जनवरी से मार्च 2024 | 216 | 10,02,000 |
| अप्रैल से जून 2024 | 218 | 10,08,000 |

## महिला समिति प्रवृत्तियों का श्रमणोपासक में प्रकाशन

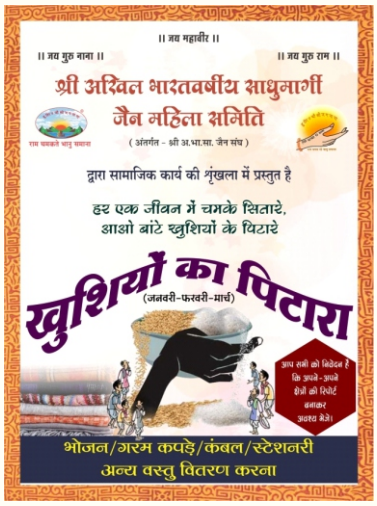

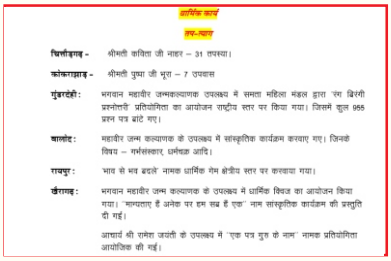


# अक्षय 10 मई 2024 तृतीया

## के उपलक्ष्य में संपन्न एकासन

राम चमकते भानु समाना

| | | |
|---|---|---|
| मेवाड़ 1071 | 109 बीकानेर - मारवाड़ | जयपुर-ब्यावर 83 |
| 59 मध्यप्रदेश | छ.ग.-उड़ीसा 111 | 33 कर्नाटक-आंध्र. |
| तमिलनाडु 28 | 257 मुंबई-गुजरात | महाराष्ट्र-विदर्भ 241 |
| 75 बंगाल-बिहार | पूर्वोत्तर 152 | 75 दिल्ली-पंजाब |

**कुल - 2294**

## प्रतिक्रमण प्रतियोगिता

**प्रतिक्रमण –** अशुभ योग को त्यागकर पुनः शुभ योग में जाना प्रतिक्रमण है। प्रतिक्रमण साधक के लिए निर्जरा का प्रबल कारक है। मोक्षगामी की राह पर चलने की पहली सीढ़ी प्रतिक्रमण है। अतः सभी को प्रतिक्रमण कंठस्थ करना/करवाना।

**प्रतिक्रमण प्रतियोगिता 5 चरण में रखी गई।**

1. **इच्छामि णमब भंते – 18 पापस्थान।**
2. **इच्छामि खमासमणो – 6 अणुव्रत।**
3. **7 अणुव्रत – तस्स धम्मस्स।**
4. **5 पदों की भाव वंदना – अंतिम पाठ।**
5. **सम्पूर्ण प्रतिक्रमण विधि सहित।**

प्रतिक्रमण प्रतियोगिता लाने के पीछे हमारे भाव क्या हैं? – प्रतिक्रमण अपनी पूंजी है, आधर है। इसे हर घर तक पहुंचाना है, यह कोशिश हम सब को मिलकर करनी है। लगभग हर घर में 1 सदस्य तो प्रतिक्रमण कराने वाला हो और वो भी संशुद्ध प्रतिक्रमण हो।

**नियम**

- जिसे भी प्रतिक्रमण सिखना है उसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाना अनिवार्य रहेगा।
- बड़ी संलेखना, भाव वंदना तक किसी का प्रतिक्रमण हुआ है, वो भी पंजीकरण करवा सकते हैं।
- श्रावक-श्राविका तथा बच्चे सभी आयु वर्ग के इसमें भाग ले सकते हैं।
- अपने-अपने क्षेत्र के स्थानक में विधि सहित प्रतिक्रमण करके बताना अनिवार्य रहेगा।
- प्रतिक्रमण में संशोधित नीले रंग के कवर वाली, गुलाबी रंग के कवर वाली, जैन संस्कार पाठ्यक्रम भाग 3/4, अंग्रेजी वर्जन चारों किताबों में से कोई भी किताब मान्य रहेगी।

## प्रतिक्रमण कंठस्थ एवं पंजीकृत प्रतिभागियों की सूची

| क्र.सं. | अंचल | पंजीकृत प्रतिभागी | कंठस्थ |
|---|---|---|---|
| 1 | मेवाड़ | 402 | 170 |
| 2 | बीकानेर-मारवाड़ | 69 | |
| 3 | जयपुर-ब्यावर | 69 | 32 |
| 4 | मध्यप्रदेश | 72 | |
| 5 | छत्तीसगढ़-उड़ीसा | 134 | 27 |
| 6 | कर्नाटक-आंध्रप्रदेश | 46 | 9 |
| 7 | तमिलनाडु | 3 | |
| 8 | मुम्बई-गुजरात-यु.ए.ई | 48 | 3 |
| 9 | महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश | 15 | 7 |
| 10 | बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान | 8 | |
| 11 | पूर्वोत्तर | 35 | 7 |
| 12 | दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश | 15 | |
| कुल | | 916 | 255 |

| S.No. | Date | Place | Topic |
|---|---|---|---|
| 1 | 6th Dec. 2023 | Zoom | Vision Building |
| 2 | 13th Jan. 2024 | Zoom | Smart Goal Setting |
| 3 | 20th Jan. 2024 | Jawad | Public Speaking |
| 4 | 12th Feb. 2024 | Zoom | Art of Delegation |
| 5 | 25th March 2024 | Bhilwara | Transforming CONFLICT into COLLABORATION |
| 6 | 21th July 2024 | Bhilwara | Elevate Your Leadership Skills |

## वीर निर्वाण दिवस पर संपन्न हुए तेले की संख्या
## (दिनांक – 11 से 13 नवंम्बर 2023)

| क्र.स. | अंचल | संपन्न हुए तेले की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | मेवाड़ | 174 |
| 2 | बीकानेर–मारवाड़ | 41 |
| 3 | जयपुर–ब्यावर | 88 |
| 4 | मध्यप्रदेश | 292 |
| 5 | छत्तीसगढ़–उड़ीसा | 186 |
| 6 | कर्नाटक–आंध्रप्रदेश | 53 |
| 7 | तमिलनाडु | 23 |
| 8 | मुंबई–गुजरात–यू.ए.ई. | 52 |
| 9 | महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश | 143 |
| 10 | बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान | 58 |
| 11 | पूर्वोत्तर | 19 |
| 12 | दिल्ली–पंजाब–हरियाण–उत्तरप्रदेश | 77 |
| | कुल | 1206 |

## श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति आचार संहिता में संशोधन

- **आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के उद्धरण।**
- **पदाधिकारीगण कार्य एवं दायित्व।** (विभाग 3, पेज नंबर 21, 22, 23, 24)
- **कार्यसमिति सदस्याओं की अधिकतम संख्या बढ़ोतरी** (125 से 151 – पेज नंबर 31)।
- **पॉइंट नंबर - 23 : समिति की शाखाओं ( स्थानीय मंडल ) हेतु नियम संहिता :-** किसी क्षेत्र में 10 या अधिक युवतियां/महिलाएं हो तो स्थानीय मंडल एवं 10 से कम होने पर स्थानीय प्रतिनिधि का चयन
- **पेज नंबर 17, पॉइंट नंबर - 15 :** पात्रता – पदाधिकारी की पात्रता हेतु अनिवार्य योग्यताएं।
- **संघ संचालन हेतु भौगोलिक विभाजन की संख्यानुसार ''संभाग प्रमुखा'' की नियुक्ति।** (विभाग 3, पेज नंबर 12 (संक्षिप्त), पेज नंबर 15 (विस्तृत), पेज नंबर 31)।

## वर्षीतप पारणा

**अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर वर्षीतप पारणा चित्तौड़गढ़ में -**

**दिनांक 10 मई 2024 को अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर मेवाड़ अंचल के चित्तौड़गढ़ क्षेत्र** में आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के सान्निध्य में वर्षीतप के 105 पारणे सुसंपन्न हुए।

वर्षीतप पारणा में श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की रा. अध्यक्षा, रा. महामंत्री, रा. कोषाध्यक्षा, रा. सह–कोषाध्यक्षा, समता महिला मंडल, चित्तौड़गढ़ एवं समता बहू मंडल चित्तौड़गढ़ उपस्थित रहीं।

## जयंतीबाई श्रमणोपासिका पुरस्कार

आज संघ सेवा में संलग्न कर्म निर्जरा का अभूतपूर्व मौका हम सभी को भी मिला है। जितना समय हम ''सुखपूर्वक'' संघ सेवा में अर्पण करेंगे उतना ही हमारे कर्मों की निर्जरा का कारक बनेगा। अपने–अपने दायित्व निर्वाह की जानकारी लेते हुए हम आगे बढ़ें और हमारे इस कार्यसमिति को वह लक्ष्य प्रदान करें। श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति आपके लिए लाई है एक अनोखा मौका, जिससे आप भी अलंकृत हो सकते हैं इस अलंकरण से **''जयंतीबाई श्रमणोपासिका पुरस्कार''** यह त्रैमासिक कार्य पर आधारित रहेगा। आपको निम्नोक्त बिंदु ध्यान में रखने हैं। पॉइंट मासिक रहेंगे, कुल त्रैमासिक के रूप में जोड़ा जाएगा।

**1. प्रथम जयंतीबाई श्रमणोपासिका विजेता**
**श्रीमती मधु जी गोटा, रतलाम**

**2. द्वितीय जयंतीबाई श्रमणोपासिका विजेता**
**श्रीमती राजश्री जी सुराणा, नोखा**

।। जय गुरु नाना।। ।। जय महावीर।। ।। जय गुरु राम।।

**श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति**
(अंतर्गत – श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

## ''जयंतीबाई श्रमणोपासिका पुरस्कार''

**नाम :** _____ **पद :** _____

**प्रवृत्ति :** _____ **अंचल :** _____

कृपया ☑ व ☒ चिह्न लगावें।

### जुलाई से सितम्बर 2024

*कार्मिक :*

1. **प्रवास क्षेत्र**
   राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ – 10 पॉइंट ☐ क्षेत्र संख्या : ☐
   बिना राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ – 20 पॉइंट ☐ क्षेत्र संख्या : ☐
2. **कार्यसमिति बैठक ( 20 जुलाई 2024 )** – 50 पॉइंट ☐
3. **ऑनलाइन मीटिंग** - 20 पॉइंट **( 06 जुलाई 2024 )** ☐
4. **रिपोर्टिंग** – 20 पॉइंट ☐
5. **बोनस** - प्रतिनिधि सदस्यों को जोड़ना
   3–5 सदस्य (20 पॉइंट) ☐ 6 से 8 सदस्य (30 पॉइंट) ☐ 9 से 11 सदस्य (40 पॉइंट) ☐

*प्रवृत्ति : प्रवृत्ति वाला कॉलम केवल प्रवृत्ति संयोजिकाओं के लिए है।*

1. **युवती शक्ति :** (नए सदस्य जोड़ना) **कुल रजिस्ट्रेशन :** 4148
   5 से 10 प्रतिशत (20 पॉइंट) ☐ 11 से 15 प्रतिशत (30 पॉइंट) ☐
2. **संगठन :** (नए आजीवन सदस्य जोड़ना) **कुल रजिस्ट्रेशन :** 15582
   5 से 10 प्रतिशत (20 पॉइंट) ☐ 11 से 15 प्रतिशत (30 पॉइंट) ☐
3. **परिवारांजलि :** **कुल रजिस्ट्रेशन :** 562
   कितने स्टीकर्स चिपकाएं संख्या ☐
4. **केसरिया कार्यशाला :** (नए क्षेत्र जोड़ना) **कुल क्षेत्र :** 80
   5 से 10 प्रतिशत (20 पॉइंट) ☐ 11 से 15 प्रतिशत (30 पॉइंट) ☐
5. **वुमन्स मोटिवेशनल फोरम :** (नए सदस्य जोड़ना) **कुल रजिस्ट्रेशन :** 2423
   5 से 10 प्रतिशत (20 पॉइंट) ☐ 11 से 15 प्रतिशत (30 पॉइंट) ☐

*आध्यात्मिक :*

1. **विगय त्याग - ( कोई भी 1 )**
   10–14 दिन (10 पॉइंट) ☐ 15–19 दिन (20 पॉइंट) ☐ 20–25 दिन (30 पॉइंट) ☐
2. **दशवैकालिक प्रथम अध्ययन ( फेरना )**
   10–14 दिन (10 पॉइंट) ☐ 15–19 दिन (20 पॉइंट) ☐ 20–25 दिन (30 पॉइंट) ☐
3. **संवर**
   3 दिन (20 पॉइंट) ☐ 6 दिन (30 पॉइंट) ☐ 10 दिन (40 पॉइंट) ☐
4. **बोनस**
   श्री आचारांग सूत्र के प्रथम दो अध्ययन से 10 प्रश्न बनाकर भेजें (5 each) – 50 पॉइंट ☐

**( नोट - जो एक बार जयंतिबाई श्रमणोपासिक बन गई है वो दोबारा नहीं बनेंगे। )**

### अप्रैल से जुलाई 2024

कृपया ☑ व ☒ चिह्न लगावें।

*कार्मिक :*

1. **प्रवास क्षेत्र**
   राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ – 10 पॉइंट ☐ क्षेत्र संख्या : ☐
   बिना राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ – 20 पॉइंट ☐ क्षेत्र संख्या : ☐
2. **कार्यसमिति बैठक ( 21 जुलाई 2024 )** – 50 पॉइंट ☐
3. **ऑफलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम ( 21 जुलाई 2024 )** - 20 पॉइंट ☐
4. **ऑनलाइन मीटिंग** - 20 पॉइंट ☐
5. **ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम** - 20 पॉइंट ☐
6. **रिपोर्टिंग** – 20 पॉइंट

**आध्यात्मिक :** -

1. **महिने के एकासन ( अगस्त, सितम्बर )**- (10 पॉइंट) संख्या : ☐
2. **नए दो भजन/प्रार्थना याद करें** - (20 पॉइंट) – (उन्हें रोज एक बार दोहराए – अगस्त–सितम्बर) ☐
3. **आचारांग सूत्र के 3rd, 4th अध्ययन में से 10 प्रश्न बनाकर भेजें** - (50 पॉइंट) – (5 Questions each) ☐
4. **प्रतिक्रमण** (माह में 6 बार) – (60 पॉइंट) ☐

**बोनस :-**

1. अधिवेशन के समय अपने–अपने अंचल के अधिक से अधिक कार्यकारिणी सदस्यों को लाना – (as member 10 pt) ☐
2. स्वर्ण कुंभ शिविर में अपने–अपने अंचल के अधिक से अधिक सदस्यों का 15 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन करवाना (as member 5 pt) – ☐
3. अधिवेशन तक बड़े क्षेत्रों में 100 व्यक्तियों के और छोटे क्षेत्रों में 50 व्यक्तियों के प्रतिक्रमण में रजिस्ट्रेशन करवाना – (50 पॉइंट) ☐

**प्रवृत्ति संयोजिकाओं के लिए विशेष बोनस -**

1. आपकी प्रवृत्ति के जो नये कार्यक्रम (अगस्त, सितम्बर में) लाए हैं उसके कुल प्रतिभागी – (प्रथम 100 सदस्यों के लिए 20 पॉइंट, 100 से ऊपर प्रति प्रतिभागी 2 पॉइंट) ☐

**( नोट - जो एक बार जयंतिबाई श्रमणोपासिक बन गई है वो दोबारा नहीं बनेंगे। )**

# कार्यसमिति बैठक एवं आमसभा - 23-24

| कार्यकारिणी मीटिंग | दिनांक | स्थान |
|---|---|---|
| 1st कार्यकारिणी मीटिंग | 22 जनवरी, 2024 | जावद |
| 2nd कार्यकारिणी मीटिंग | 25 मार्च, 2024 | मंगलवाड़ा चौराहा |
| 3rd कार्यकारिणी मीटिंग | 21 जुलाई, 2024 | भीलवाड़ा |
| 4th कार्यकारिणी मीटिंग | 03 अक्टूबर, 2024 | भीलवाड़ा |
| **अधिवेशन** | 03,04 अक्टूबर, 2024 | भीलवाड़ा |
| **वार्षिक आमसभा** | 03 अक्टूबर, 2024 | भीलवाड़ा |

## प्रवास विवरण

**कुल प्रवास क्षेत्र - 117 :: प्रवास अंचल - 08**

| दिनांक | अंचल | प्रवास क्षेत्र |
|---|---|---|
| 19 नवम्बर 2023 | मध्यप्रदेश | खाचरोद, नागदा, उज्जैन |
| 20 नवम्बर 2023 | महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश | हिंगणघाट, वड़की, खैरी, वरोरा, रालेगांव, बाभूलगांव, धामनगांव रेलव, कारंजा लाड, वाशिम, जानेफल, अकोला, अमरावती, परतवाड़ा, नागपुर। |
| 22 से 24 दिसम्बर 2023 | छ.ग.–उड़ीसा | राजनांदगाँव, दुर्ग, जगदलपुर, कांकेर। |
| 07 जनवरी 2024 | मुंबई–गुजरात–यू.ए.ई. (मुंबई क्षेत्रीय सम्मेलन) | नवी मुम्बई। |
| 23 से 25 जनवरी 2024 | मध्यप्रदेश | पिपलिया बुजुर्ग, बीड़, मूंदी, खंडवा, बुरहानपुर, इच्छापुर, गुडी, खालवा, छनेरा, खिरकीया, चरूवा, सिवनी मालवा, इटारसी, हरदा, पाडल्या, सालवी खेडा, बनापुरा। |
| 24, 25 फरवरी 2024 | मुम्बई–गुजरात अंचल | पुणे, पिपरी चिंचवड़, नवी मुम्बई। |
| 26 से 28 फरवरी 2024 | मेवाड़ अंचल | पुर, करेड़ा चिलेश्वर, सांगवास, |

| | | |
|---|---|---|
| | | गंगापुर,कांकरौली, नाथद्वारा, आमेट, देवगढ़,सारोठ, बेगूं, भीलवाड़ा, उल्लई। |
| 02 मार्च 2024 | छत्तीसगढ़–ओड़िसा | दुर्ग, कवर्धा, मुंगेली, बेमेतरा, बेरला। |
| 27 से 31 मार्च 2024 | बीकानेर–मारवाड़ | नागौर, अलाय, पांचु, घंटियाली, पडियाल, चाडी, नोखगांव, जोरावरपुरा, नोखामंडी, देशनोक, लुणकरणसर, सूरतगढ़, पीलीबंगा, गोलुवाला, रावतसर, सांगरिया मंडी, रामा मंडी, सिरसा मंडी, सरदारशहर, उदासर, उदयरामसर, गंगाशहर, भीनासर एवं बीकानेर। |
| 11 से 13 जुलाई 2024 | दिल्ली पंजाब | दिल्ली, भड़ौत, मेरठ, कांडला, मुज्जफरनगर। |
| 26 से 28 अगस्त 2024 | जयपुर–ब्यावर | अजमेर, ब्यावर, खरवा, कोटा, सवाईमाधोपुर, बजरिया, चौथ का बरवाड़ा, मंडी, आदर्श नगर, हाउसिंग बोर्ड, कुण्डेरा, अलीगढ़, उखलाना, ककोड़, टोंक, जयपुर, श्यामपुरा, किशनगढ़। |
| 18 से 20 सितम्बर 2024 | मुम्बई–गुजरात | वापी, वलसाड़, अतुल, अब्रह्मा, डुंगरी, चिखली, नवसारी, बारडोली, सुरत, अंकलेश्वर, सेलम्बा, वड़ोदरा, अहमदाबाद |

## प्रवास एवं कार्यकारिणी बैठक की कुछ झलकियां

जय गुरु नाना
जय गुरु राम
राम चमक रहे

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी
जैन महिला समिति
अंचल
छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल









श्री अ.भा.सा. जैन महिला स
कार्यसमिति बैठक

।। जय गुरु नाना ।।
श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी
जैन महिला समिति
( अंतर्गत - श्री अ.भा.सा.जैन संघ )
अंचल
बीकानेर-मारवाड़ अंचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्षा : श्रीमती राजश्री सुराणा, नोखा मण्डी
राष्ट्रीय मंत्री : श्रीमती शीलू भण्डारी, जोधपुर
श्रीमती पुष्पा मेहता
राष्ट्रीय अध्यक्षा
राष्ट्रीय महामंत्री
राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा

# स्वर्ण कुंभ

**चारित्र आत्माओं के ज्ञान की बौछार,**

**सावन की रिमझिम फुहार,**

**हमारे पुण्य का उदय और हमारी निर्जरा की बहार**

भीलवाड़ा की पावन धरा पर दिनांक 24–25 अगस्त को श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति द्वारा "**स्वर्ण कुंभ**" नामक दो दिवसीय आवासीय शिविर सहर्ष संपन्न हुआ।

## कुल शिविरार्थी – 525

### कुछ झलकियां

# Zoom Meeting -

## Yuvati Shakti

| S.No. | Date | Meeting |
|---|---|---|
| 1 | 6 November 2023 | Gath Bandhan |
| 2 | 8 November 2023 | Gath Bandhan |
| 3 | 18 Decmber 2023 | Anchal Sanyojika Meet |
| 4 | 19 January 2024 | DIY Beginning Session 1 |
| 5 | 20 January 2024 | DIY Beginning Session 2 |
| 6 | 23 January 2024 | DIY Beginning Session 3 |
| 7 | 25 January 2024 | DIY Beginning Session 4 |
| 8 | 27 January 2024 | DIY Beginning Session 5 |
| 9 | 3 Februrery 2024 | Garbh Sanskar |
| 10 | 27 Februrery 2024 | Gupshap with Anchal Sanyojika |
| 11 | 15 Februrery 2024 | Revise Additoin DIY |
| 12 | 22 June 2024 | Disha : Career Awareness & Guidance |
| 13 | 26 June 2024 | Disha -Doubt clearing session |
| 14 | 01 July 2024 | YS Anchal sanyojika meet |
| 15 | 06 July 2024 | July month meet with Anchal Sanyojika |
| 16 | 12 August 2024 | YS Anchal & Sthaniya Sanyojikas meet |
| 17 | 30 August 2024 | YS Anchal & Sthaniya Sanyojika meet |
| | **SMF** | |
| **S.No.** | **Date** | **Meeting** |
| 1 | 03 August 2024 | Alert Today Bright Tomorrow |
| 2 | 21 September 2024 | Goal Setting |
| | **Sangathan** | |
| **S.No.** | **Date** | **Meeting** |
| 1 | 04 March 2024 | Madhuram Gitam |
| 2 | 01 October 2024 | My Life My Responsibility |
| | **Others** | |
| **S.No.** | **Date** | **Meeting** |
| 1 | 04 March 2024 | BBNB |
| 2 | 05 March 2024 | Mhaila Samiti Anchlik (Shramnopashak) |
| 3 | 27 June 2024 | Pratikraman (Mewar Anchal) |
| 4 | 06 July 2024 | Mahila Samiti's Pravarti Sanyojika Meet |
| 5 | 06 July 2024 | Mahila Samiti's VP-Sec. Meet |
| 6 | 06 August 2024 | Pratikraman |
| 7 | 14 September 2024 | Discussion On 4th KSM |
| 8 | 14 September 2024 | Discussion On 4th KSM |

# श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति
## राष्ट्रीय पदाधिकारी - (23-25)

| Sn | MID | Designation | Name | Anchal | City |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 102101 | राष्ट्रीय अध्यक्षा | श्रीमती पुष्पा जी मेहता | राष्ट्रीय | चित्तौड़गढ़ |
| 2 | 101975 | राष्ट्रीय महामंत्री | श्रीमती स्नेहलता जी कोठारी | राष्ट्रीय | कोलकता |
| 3 | 110948 | राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा | श्रीमती चंदा जी खुरदिया | राष्ट्रीय | मुंबई |
| 4 | 104200 | राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्षा | श्रीमती आरती जी गोलछा | राष्ट्रीय | भीलवाड़ा |
| 5 | 179129 | निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्षा | श्रीमती नन्दा किशोर जी कर्नावट | राष्ट्रीय | बेंगलुरु |
| 6 | 112537 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती किरण जी मालु | मेवाड़ अंचल | प्रतापगढ़ |
| 7 | 190209 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती ज्योति जी भूरा | मेवाड़ अंचल | भीलवाड़ा |
| 8 | 103340 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती राजश्री जी सुराणा | बीकानेर-मारवाड़ अंचल | नोखा |
| 9 | 155323 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती शीलु जी भंडारी | बीकानेर-मारवाड़ अंचल | जोधपुर |
| 10 | 153444 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती ललिता जी चौरड़िया | जयपुर-ब्यावर अंचल | ब्यावर |
| 11 | 182749 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती मेघना जी तातेड़ | जयपुर-ब्यावर अंचल | जयपुर |
| 12 | 102423 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती मधु जी गोटा | मध्य प्रदेश अंचल | रतलाम |
| 13 | 102665 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती दीपा जी रांका | मध्य प्रदेश अंचल | मंदसौर |
| 14 | 116744 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती मोनाली जी ओस्तवाल | छत्तीसगढ़-ओडिशा अंचल | दुर्ग |
| 15 | 190661 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती ममता जी नाहटा | छत्तीसगढ़-ओडिशा अंचल | बालोद |
| 16 | 143214 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती रेखा जी सोनावत | कर्नाटक-आंध्र प्रदेश अंचल | हैदराबाद |
| 17 | 126668 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती प्रभा जी भंसाली | कर्नाटक-आंध्र प्रदेश अंचल | बेंगलुरु |
| 18 | 180256 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती संगीता जी मालु | तमिलनाडु अंचल | चेन्नई |
| 19 | 174596 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती रीना जी कुकड़ा | तमिलनाडु अंचल | चेन्नई |
| 20 | 116151 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती नीलम जी रांका | मुंबई-गुजरात-यूएई अंचल | मुंबई |
| 21 | 179036 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती दीपाली जी ललवानी | मुंबई-गुजरात-यूएई अंचल | सूरत |
| 22 | 127115 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती छाया जी जैन | महाराष्ट्र-विदर्भ-खंडेश अंचल | धुले |
| 23 | 190112 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती रश्मि जी जेलमी | महाराष्ट्र-विदर्भ-खंडेश अंचल | औरंगाबाद |
| 24 | 118275 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती विजयलक्ष्मी जी डागा | बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान अंचल | कोलकता |
| 25 | 106678 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती विनीता जी मुकीम | बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान अंचल | बेहरमपुर |
| 26 | 106073 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती कनक जी डागा | पूर्वोत्तर अंचल | सिलापत्थर |
| 27 | 152399 | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती नीतु जी सांखला | पूर्वोत्तर अंचल | गुवाहाटी |
| 28 | 183883 | राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | श्रीमती सोनल जी लुणिया | दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश अंचल | दिल्ली |
| 29 | | राष्ट्रीय मंत्री | श्रीमती खुशबु जी सेठिया | दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश अंचल | लुधियाना |

# राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाएं

| S.NO. | MID | DESIGNATION | NAME |
|---|---|---|---|
| 1 | 121803 | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती रश्मि जी सुराणा, अहमदाबाद |
| 2 | 156052 | संगठन | श्रीमती मीना जी मेहता, बड़ीसादड़ी |
| 5 | 137255 | सर्वधर्मी संयोजिका | श्रीमती मोनालिसा जी डागा, रायपुर |
| 6 | 108232 | युवती शक्ति | श्रीमती अश्विनी राकेश जी बैद, नागपुर |
| 7 | 197236 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती त्रिशला जी भंसाली, कोलकता |
| 8 | 158411 | परिवारांजलि | श्रीमती स्वाति जी धम्मानी, रतलाम |
| 9 | 116164 | समता छत्रवृत्ति | श्रीमती उषा गौतम जी रांका, मुंबई |
| 10 | 168715 | रिपोर्टिंग सिस्टम | श्रीमती नीता जी छिप्पानी, रतलाम |
| 11 | 183328 | श्रमणोपासक संयोजिका | श्रीमती सीमा जी हीरावत, दिल्ली |
| 12 | 128494 | अंतरराष्ट्रीय संयोजिका | श्रीमती सुनीता जी जैन, इंदौर |
| 13 | 127115 | प्रतिक्रमण (नेतृत्वकर्ता) | श्रीमती छाया जी सांड, धुलिया |
| 14 | 116744 | प्रतिक्रमण (नेतृत्वकर्ता) | श्रीमती मोनाली जी ओस्तवाल, दुर्ग |
| | | | |

## संभाग प्रमुखा

| क्र.सं. | नाम | शहर | अंचल |
|---|---|---|---|
| 1 | श्रीमती हेमलता जी गिलुण्डिया | गंगापुर | मेवाड़ |
| 2 | श्रीमती सुशीला जी ढेडिया | पाली | |
| 3 | श्रीमती किरण जी जैन | सांगरिया | |
| 4 | श्रीमती मोनिका जी कोठारी | बीकानेर | बीकानेर–मारवाड़ |
| 5 | श्रीमती कविता जी लोढ़ा | अजमेर | जयपुर–ब्यावर |
| 6 | श्रीमती शोभा जी बाफना | हरदा | |
| 7 | श्रीमती सीमा जी चतर | सिवनी मालवा | मध्यप्रदेश |
| 8 | श्रीमती ज्योति जी बोथरा | जगदलपुर | |
| 9 | श्रीमती कविता जी चौरड़िया | बालाघाट | |
| 10 | श्रीमती रुचि जी बाफना | दुर्ग | छत्तीसगढ़–ओडिसा |
| 11 | श्रीमती नीलू जी चोरड़िया | विशाखापत्तनम | |
| 12 | श्रीमती सरिता जी ललवानी | बैंगलुरु | कर्नाटक–आन्ध्रा |
| 13 | श्रीमती चाँदनी जी पिंचा | सेलम | तमिलनाडु |
| 14 | श्रीमती सरोज जी मुणोत | वड़ोदरा | मुम्बई–गुजरात |
| 15 | श्रीमती सोनल जी डागा | नागपुर | महाराष्ट्र–विदर्भ |
| 16 | श्रीमती ममता जी बुरड़ | | |
| 17 | श्रीमती माला जी गोलच्छा | काठमांडू | बिहार–बंगाल–नेपाल–भूटान |
| 18 | श्रीमती अंजू जी बैद | सिलचर | पूर्वोत्तर |
| 19 | श्रीमती चाँदनी जी छललाणी | दिल्ली | दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश |

## कार्यकारिणी सदस्य - 23-25

### मेवाड़ अंचल

| S.No. | MID | DESIGNATION | Name | City |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 119576 | संघ संगठन | श्रीमती आशा जी मुलावत | भीलवाड़ा |
| 2 | 162584 | संघ संगठन – सह संयोजिका | श्रीमती ज्योति जी नलवाया | बम्बोरा |
| 3 | 167045 | परिवारांजलि | श्रीमती हेमा जी दक | भीम |
| 4 | 156046 | परिवारांजलि – सह संयोजिका | श्रीमती सरोज जी मेहता | बड़ी सादड़ी |
| 5 | 162412 | युवति शक्ति | श्रीमती प्रियंका जी बाघमार | कपासन |
| 6 | | युवति शक्ति – सह संयोजिका | श्रीमती सोनम जी | भदेसर |
| 7 | | कसारिया कार्यशाला | श्रीमती आरती जी जारोली | लासड़ावन |
| 8 | | केसारिया कार्यशाला – सह संयोजिका | श्रीमती साधना जी जारोली | उदयपुर |
| 9 | 113056 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती प्रमिला जी कोठारी | निंबाहेड़ा |
| 10 | 135807 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम – सह संयोजिका | श्रीमती भावना जी अब्बानी | चितौड़गढ़ |
| 11 | | कार्यकारिणी | श्रीमती फूल जी महर | बांसवाड़ा |
| 12 | | कार्यकारिणी | श्रीमती चंदा जी चंडालिया | कांकरोली |
| | | **बीकानेर-मारवाड़ अंचल** | | |
| 1 | 122314 | संघ संगठन | श्रीमती टीना जी पारख | जोधपुर |
| 2 | 190926 | संघ संगठन – सह संयोजिका | श्रीमती प्रेमलता जी | जोधपुर |
| 3 | 189119 | युवति शक्ति | श्रीमती नेहा जी संखलेचा | नागौर |
| 4 | 148946 | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती प्रीति जी कांकरिया | नोखा |
| 5 | 127432 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती नीलू जी सेठिया | गंगाशहर |
| 6 | 119926 | परिवारांजलि | श्रीमती सपना जी राखेचा | लूणकरणसर |
| 7 | 108261 | कार्यकारिणी | श्रीमती पुष्पा जी बरड़िया | देशनोक |
| 8 | 147373 | कार्यकारिणी | श्रीमती शुशीला जी | पाली |
| | | **जयपुर-ब्यावर अंचल** | | |
| 1 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती साधना जी जैन | जयपुर |
| 2 | 153252 | संगठन | श्रीमती प्रीति जी ढेढिया | ब्यावर |
| 3 | | संगतान– सह संयोजिका | श्रीमती आशा जी जैन | जयपुर |
| 4 | | युवति शक्ति | श्रीमती सरिता जी ओस्तवाल | ब्यावर |
| 5 | 195626 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती वनिता जी मोदी | अजमेर |
| 6 | 101954 | परिवारांजलि | श्रीमती राजेश जी जैन | अलीगढ |
| 7 | 196895 | कार्यकारिणी | श्रीमती खुशबू जी लोढ़ा | बरवाड़ा |
| 8 | | कार्यकारिणी | श्रीमती सुधा जी बांठिया | कोटा |
| 9 | | कार्यकारिणी | श्रीमती मधु जी बम्ब | टोंक |
| 10 | 103202 | कार्यकारिणी | श्रीमती नीरू जी जैन | बजरिया |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **मध्यप्रदेश अंचल** | | | | |
| 1 | 166672 | संगठन | श्रीमती दीप्ति जी भलावत | इंदौर |
| 2 | 184343 | संगठन – सह संयोजिका | श्रीमती सोनु जी मुणोत | रतलाम |
| 3 | 166692 | परिवारांजलि | श्रीमती श्रद्धा जी छाजेड़ | रतलाम |
| 4 | 191327 | परिवारांजलि – सह संयोजिका | श्रीमती मैना जी चपलोत | चरुआ |
| 5 | 108313 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती प्रीति जी मेहता | मंदसौर |
| 6 | | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम – सह संयोजिका | श्रीमती मीनाक्षी जी पगारिया | जावरा |
| 7 | 108652 | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती सीमा जी पोरवाल | मंदसौर |
| 8 | 162794 | केसरिया कार्यशाला – सह संयोजिका | श्रीमती विनीता जी कांठेड़ | नीमच |
| 9 | 164219 | युवति शक्ति | श्रीमती दीपा जी कच्छारा | नीमच |
| 10 | 123148 | युवति शक्ति – सह संयोजिका | श्रीमती संगीता जी भंडारी | खिरकिया |
| 11 | 160663 | कार्यकारिणी | श्रीमती वीणा जी सूर्या | उज्जैन |
| 12 | 117446 | कार्यकारिणी | श्रीमती भावना जी चोरडिया | खाचरौद |
| **छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल** | | | | |
| 1 | 131565 | संगठन | श्रीमती सपना जी कोठारी | साजा |
| 2 | | संगठन – सह संयोजिका | श्रीमती ममता जी | गीदम |
| 3 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती अंजलि जी | राजनांदगांव |
| 4 | 138079 | केसरिया कार्यशाला – सह संयोजिका | श्रीमती संजना जी मुकीम | रायपुर |
| 5 | | केसरिया कार्यशाला – सह संयोजिका | श्रीमती सुनीता जी बाघमार | डोंडी |
| 6 | | युवति शक्ति | श्रीमती पुनम जी | डोंगरगांव |
| 7 | 143356 | युवति शक्ति – सह संयोजिका | श्रीमती श्वेता जी धारीवाल | रायपुर |
| 8 | 142417 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती मीना जी कांकरिया | दुर्ग |
| 9 | 195704 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम – सह संयोजिका | श्रीमती रीना जी सुराणा | राजनंदगांव |
| 10 | 117198 | परिवारांजलि | श्रीमती माया जी पारख | दुर्ग |
| 11 | 103667 | परिवारांजलि – सह संयोगिका | श्रीमती प्रियंका जी टांटिया | अर्जुनी |
| 12 | 122785 | परिवारांजलि – सह संयोगिका | श्रीमती राखी जी बाफना | अर्जुन्दा |
| **कर्नाटका-आंध्रप्रदेश अंचल** | | | | |
| 1 | 120256 | युवति शक्ति | श्रीमती विट्टू जी गुरलिया | बेंगलुरु |
| 2 | | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती निधि जी श्रीश्रीमाल | हैदराबाद |
| 3 | | संघ संगठन | श्रीमती रश्मि जी कोचेटा | विशाखापट्टनम |
| 4 | | परिवारांजलि | श्रीमती नेहा जी देशलहरा | मैसूर |
| 5 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती पुनम जी कटारिया | हुबली |
| 6 | 186116/1 | कार्यकारिणी | श्रीमती सीमा जी कोठारी | होलेनरसीपुर |
| 7 | 186499 | कार्यकारिणी | श्रीमती संजू जी गुलगुलिया | चिकमंगलूर |
| 8 | 145368 | कार्यकारिणी | श्रीमती सीमा जी बोगावत | आदिलाबाद |
| 9 | 185957 | कार्यकारिणी | श्रीमती सरोज जी पुगलिया | विजयनगरम |
| 10 | 186408 | कार्यकारिणी | श्रीमती माया जी मिन्नी | हसन |
| 11 | 111850 | कार्यकारिणी | श्रीमती लता जी बोथरा | बल्लारी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **तमिलनाडु** | | | | |
| 1 | 101802 | युवति शक्ति | श्रीमती नेहा जी सांखला | त्रिपुर |
| 2 | 172852 | युवति शक्ति – सह संजिका | श्रीमती कुसुम जी लोढ़ा | मदुरान्तकम |
| 3 | 175122 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती अमृता जी मालू | वनग्राम |
| 4 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती आशा जी कांकरिया | सेलम |
| 5 | 175715 | परिवारांजलि | श्रीमती मोनिका जी बोहरा | सिरकाली |
| 6 | | संगठन | श्रीमती हर्षा जी छाजेड़ | त्रिची |
| 7 | 173981 | संगठन – सह संयोजिका | श्रीमती समता जी बांठिया | चेन्नई |
| 8 | 145355 | कार्यकारिणी | श्रीमती प्रियंका जी बोहरा | चेन्नई |
| 9 | 172433 | कार्यकारिणी | श्रीमती चंदू जी कुम्भट | मेथुपाब्योर |
| 10 | 180731 | कार्यकारिणी | श्रीमती अमिता जी गुलेच्छा | विल्लुपुरम |
| **मुंबई-गुजरात अंचल** | | | | |
| 1 | 108209 | केसरिया–कार्यशाला | श्रीमती सुनीता जी श्रीश्रीमाल | सूरत |
| 2 | 108065 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती रीना जी नाहटा | सूरत |
| 3 | | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम – सह संयोजिका | श्रीमती रिंकू जी चंडालिया | मुंबई |
| 4 | | युवति शक्ति | श्रीमती तनु जी मेड़तवाल | मुंबई |
| 5 | 107348 | संगठन | श्रीमती बबीता जी मुणोत | वापी |
| 6 | 176687 | परिवारांजलि | श्रीमती प्रमिला जी मेहता | पुणे |
| 7 | | कार्यकारिणी | श्रीमती चंदा जी पिचोलिया | बडोदा |
| 8 | | कार्यकारिणी | श्रीमती चंचल जी गांधी | अंकलेश्वर |
| 9 | | कार्यकारिणी | श्रीमती कविता जी कोठारी | अहमदाबाद |
| 10 | | कार्यकारिणी | श्रीमती आशा जी राखेचा | सेलम्बा |
| **महाराष्ट्र-विदर्भ अंचल** | | | | |
| 1 | | संगठन | श्रीमती वीणा जी सुराणा | नागपुर |
| 2 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती संगीता जी कोटडिया | नंदुबार |
| 3 | 105926 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती सीमा जी मुणोत | जलगांव |
| 4 | 190520 | युवति शक्ति | श्रीमती नेहा जी झाबड़ | नागपुर |
| 5 | 109655 | परिवारांजलि | श्रीमती अनिता जी कोटाडिया | शहादा |
| 6 | 122837 | परिवारंजल – सह संयोगिका | श्रीमती नेहा जी बोहरा | अक्कल कुआं |
| 7 | 188990 | कार्यकारिणी | श्रीमती श्वेता जी पारख | अकोला |
| 8 | | कार्यकारिणी | श्रीमती आशा जी शामसुखा | धुलिया |
| 9 | 197675 | कार्यकारिणी | श्रीमती मनीषा जी गांधी | रालेगांव |
| 10 | | कार्यकारिणी | श्रीमती डॉ. कविता जी पारख | परतवाड़ा |
| 11 | | कार्यकारिणी | श्रीमती पूजा जी रांका | गवराई |
| 12 | | कार्यकारिणी | श्रीमती प्रीति जी बाफना | सिरपुर |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **बंगाल-बिहार अंचल** | | | | |
| 1 | 112376 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती त्रिशला जी भंसाली | कोलकाता |
| 2 | 116754 | परिवारांजलि | श्रीमती नीता जी सेठिया | हावडा |
| 3 | 120903 | संघ संगठन | श्रीमती प्रीति जी सुराणा | अलीपुरद्वार |
| 4 | 116925 | युवति शक्ति | श्रीमती नीलम मरोठी | सैंथिया |
| 5 | 192306 | युवति शक्ति – सह संयोजिका | श्रीमती पर्युषणा जी दफ्तरी | कोलकाता |
| 6 | | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती सुमन जी पारख | सिलीगुड़ी |
| 7 | 103372 | कार्यकारिणी | श्रीमती सीमा जी डागा | इस्लामपुर |
| 8 | | कार्यकारिणी | श्रीमती रेखा जी लुणिया | काठमांडू |
| **पूर्वोत्तर अंचल** | | | | |
| 1 | | युवति शक्ति | श्रीमती जयश्री जी दस्सानी | बिश्वनाथ चाराली |
| 2 | 107066 | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती शिखा जी खाटोल | सिलचर |
| 3 | 113285 | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती प्रीति जी बैद | गुवाहाटी |
| 4 | 107538 | परिवारांजलि | श्रीमती अनीता जी संचेती | सिलापथार |
| 5 | | संगठन | श्रीमती सरला जी बोथरा | गुवाहाटी |
| 6 | 152961 | कार्यकारिणी | श्रीमती ममता जी देशवाल | बंगाईगांव |
| 7 | 152361 | कार्यकारिणी | श्रीमती चंदा जी नाहटा | गुवाहाटी |
| 8 | 186758 | कार्यकारिणी | श्रीमती निधि जी रांका | लाला बाजार |
| 9 | 107827 | कार्यकारिणी | श्रीमती प्रभा जी | धुबड़ी |
| 10 | 107728 | कार्यकारिणी | श्रीमती सरिता जी बोथरा | बिलासी पाड़ा |
| **दिल्ली-पंजाब अंचल** | | | | |
| 1 | | युवति शक्ति | श्रीमती ललिता जी सुराणा | दिल्ली |
| 2 | 183050 | केसरिया कार्यशाला | श्रीमती बेबी जी बोथरा | दिल्ली |
| 3 | 151663 | संघ संगठन | श्रीमती सपना जी भूरा | चंडीगढ़ |
| 4 | 183539 | परिवारांजलि | श्रीमती डिम्पल जी सेठिया | दिल्ली |
| 5 | | वुमन्स मोटिवेशनल फोरम | श्रीमती प्रिया जी बैद | दिल्ली |
| 6 | | कार्यकारिणी | श्रीमती सीमा जी जैन | मुजफ्फरनगर |
| 7 | | कार्यकारिणी | श्रीमती रिंकू जी जैन | गजियाबाद |
| 8 | | कार्यकारिणी | श्रीमती मीतू जी जैन | मुजफ्फरनगर |

# श्रेष्ठ प्रोत्साहन पुरस्कार

( वार्षिक अधिवेशन - 2024 )

**श्रेष्ठ महिला रत्ना**

- श्रीमती संगीता जी पितलिया, हैदराबाद

**श्रेष्ठ शासन सेविका**

- श्रीमती शांति बाई पारख, रायपुर

**श्रेष्ठ शासन प्रभाविका**

- श्रीमती सुमन जी छाजेड़, हावड़ा

**श्रेष्ठ तपस्वी**

- श्रीमती लीला जी कोठारी, ब्यावर

**विशिष्ट तपस्वी**

- श्रीमती ज्ञानी जी भूरा, करीमगंज

**श्रेष्ठ महिला स्वाध्यायी**

- श्रीमती किर्ती जी डागा, खरियार रोड
- सुश्री स्नेहा जी मुणत, रतलाम

**श्रेष्ठ महिला मंडल**

- सेलम्बा समता (उभरता सितारा)
- सवाईमाधोपुर (गागर में सागर)
- जगदलपुर (कौशल सम्पन्न)
- बिलासीपाड़ा (वीर भूमि)
- रावतसर (संस्कार क्रांति)
- भीलवाड़ा (आध्यात्मिक धरा)

**श्रेष्ठ प्रोत्साहन**

- श्रीमती अंजना जी पोखरना, बेगूं
- श्रीमती आशा जी सेठिया, मुम्बई

**श्रेष्ठ वक्ता (Speakers)**

- श्री चेतन शिखर जी जैन, पुणे

**अंचल संयोजिका (संगठन)**

- श्रीमती आशा जी मुलावत, भीलवाड़ा
- श्रीमती ममता जी छाजेड़, गीदम

**स्वर्ण कुम्भ प्रभाविका (अंतर्गत – संगठन)**

- श्रीमती ज्योति जी नलवाया, बम्बोरा

**अंचल संयोजिका (परिवारांजलि)**

- श्रीमती माया जी पारख, दुर्ग
- श्रीमती सपना जी जैन, लूणकरणसर

**अंचल संयोजिका (केसरिया कार्यशाला)**

- श्रीमती साधना जी जैन, जयपुर
- श्रीमती आरती जी जारोली, लसड़ावन
- श्रीमती प्रीति जी जैन, नोखा
- श्रीमती अंजली जी ओस्तवाल, राजनांदगाँव

**अंचल संयोजिका (वुमन्स मोटिवेशनल फोरम)**

- श्रीमती निधि जी जैन, हैदराबाद
- श्रीमती रीना जी नाहटा, सूरत
- श्रीमती अमृता जी मालू, चैन्नई
- श्रीमती रोज़ी जी सेठिया, कोलकाता
- श्रीमती मीना जी कांकरिया, दुर्ग

**अंतर्राष्ट्रीय संयोजिका**

- श्रीमती स्वाति जी जैन, दुबई

**श्रेष्ठ युवी**

- सुश्री हर्षा जी कांकरिया, बैंगलुरु
- सुश्री महिमा जी सुराणा, बेरला
- सुश्री वैशाली जी गुणधर, दल्लीराजहरा

# हुक्म गच्छ पाटावली

संघ संस्थापक, क्रियोद्धारक, प्रथम पट्टधर

आचार्य श्री हुक्मीचंद जी म.सा.

द्वितीय पट्टधर

आचार्य श्री शिवलाल जी म.सा.

तृतीय पट्टधर

आचार्य श्री उदयसागर जी म.सा.

चतुर्थ पट्टधर

आचार्य श्री चौथमल जी म.सा.

पंचम् पट्टधर

आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा.

षष्ठम् पट्टधर

आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा.

सप्तम् पट्टधर

आचार्य श्री गणेशलाल जी म.सा.

अष्ठम् पट्टधर

आचार्य श्री नानालाल जी म.सा.

नवम् पट्टधर

आचार्य श्री रामलाल जी म.सा.

# श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)